सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 136 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 27 फरवरी 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

छत्तीसगढ़ के चार जिलों में संशोधित गाइडलाइन दरें आज से लागू

रायपुर। छत्तीसगढ़ में दिनांक 20 नवम्बर 2025 से नवीन गाइडलाइन दरें लागू की गई हैं। राज्य शासन द्वारा जिला मूल्यांकन समितियों को निर्देश जारी किए गए थे कि स्थानीय परिस्थितियों एवं आवश्यकताओं के अनुसार गाइडलाइन दरों में संशोधन संबंधी प्रस्ताव केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड को भेजे जा सकते हैं। उक्त निर्देशों के अनुरूप दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा तथा बलरामपुर-रामानुजगंज जिलों की जिला मूल्यांकन समितियों से संशोधित प्रस्ताव प्राप्त हुए। इन प्रस्तावों पर विचार हेतु महानिरीक्षक पंजीयन की अध्यक्षता में केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड की बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिलों से प्राप्त प्रस्तावित गाइडलाइन दरों का परीक्षण कर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड द्वारा अनुमोदित नवीन गाइडलाइन दरें उपरोक्त चारों जिलों में दिनांक 27 फरवरी 2026 से प्रभावशील होंगी। आम नागरिक एवं संबंधित हितधारक नवीन दरों की जानकारी संबंधित जिला पंजीयन कार्यालयों तथा विभाग की आधिकारिक वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं। अन्य जिलों की संशोधित गाइडलाइन दरें भी शीघ्र जारी की जाएंगी।

आप संयोजक अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया बरी

नईदिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने शुक्रवार को बहुचर्चित आबकारी नीति से जुड़े कथित भ्रष्टाचार मामले में पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) संयोजक अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया समेत कई अन्य को आरोप मुक्त कर दिया है। हालांकि अरविंद केजरीवाल को अभी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कोई राहत नहीं मिली है। अदालत ने अपने फैसले में कहा है कि प्रथम दृश्य कोई भी आपराधिक षड्यंत्र नहीं मिला है। कोर्ट सीबीआई मामले में सुनवाई कर रही थी। उधर, सीबीआई सूत्र के मुताबिक, सीबीआई इस फैसले को चुनौती देने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट जाएगी।

बंगाल की खाड़ी में बना लो प्रेशर एरिया खत्म: अब छत्तीसगढ़ में बढ़ेगी गर्मी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आने वाले दिनों में गर्मी धीरे-धीरे असर दिखाने लगेगी। मौसम विभाग के अनुसार अगले 7 दिनों में प्रदेश का अधिकतम तापमान 3 से 5 डिग्री तक बढ़ सकता है। हालांकि इस दौरान न्यूनतम तापमान में किसी बड़े बदलाव के संकेत नहीं हैं। पिछले 24 घंटों के मौसम की बात करें तो प्रदेश में कहीं-कहीं हल्की बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 33.6 डिग्री रायपुर और माना में रिकॉर्ड किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 10 डिग्री अंबिकापुर में दर्ज हुआ। वर्तमान में कोई सक्रिय सिनॉप्टिक सिस्टम प्रभावी नहीं है।

स्वदेशी सेल के स्टील से बना 'आईएनएस अंजदीप' भारतीय नौसेना के बेड़े में हुआ शामिल

नईदिल्ली। भारतीय नौसेना को एक और पनडुब्बी रोधी युद्धपोत अंजदीप मिल गया है। उथले पानी में काम करने की क्षमता वाले आठ पनडुब्बी रोधी युद्धपोतों की श्रृंखला का यह तीसरा युद्धपोत 27 फरवरी को चेन्नई में नौसेना में शामिल किया गया। इस समारोह में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी शामिल हुए। यह जहाज कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स ने स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित किया है।

नौसेना के पुराने होते 'अभय-श्रेणी' के जहाजों को बदलने के लिए इन ASW-SWC कार्वेट का निर्माण स्वदेशी रूप से किया जा रहा है। इस रणनीतिक प्रयास में योगदान देते हुए, सेल ने गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड द्वारा बनाए जा रहे आठ ASW-SWC कार्वेट के लिए लगभग 3,500 टन विशेष-ग्रेड स्टील की पूरी मात्रा की आपूर्ति की है। इस स्टील की आपूर्ति सेल के भिलाई, बोकारो और राउरकेला स्थित इस्पात संयंत्रों से की गई है।

भारत की आत्मनिर्भरता को आगे बढ़ाने का प्रयास

आईएनएस अंजदीप तीसरा एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट कार्वेट है। इससे पहले पिछले साल आईएनएस अरनाला और आईएनएस एंड्रोथ भी शामिल किए जा चुके हैं। यह उपलब्धि रक्षा विनिर्माण में भारत की आत्मनिर्भरता को आगे बढ़ाने, आयात पर निर्भरता कम करने और 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण को सुदृढ़ करने के प्रति सेल की प्रतिबद्धता को उजागर करती है। पिछले कुछ वर्षों में, सेल ने रक्षा स्वदेशीकरण में देश की विशेष-ग्रेड स्टील की जरूरतों को लगातार पूरा किया है और आईएनएस विक्रांत, आईएनएस उदयगिरि, आईएनएस नीलगिरी, आईएनएस सूरत जैसी अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए स्टील की आपूर्ति की है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने 'प्रचंड' हेलीकॉप्टर में भरी उड़ान भारत-पाक सीमा पर पायलट बन रचा इतिहास

- स्वदेशी लड़ाकू हेलीकॉप्टर में सह-पायलट बनकर उड़ान भरने वाली पहली राष्ट्रपति बनी मुर्मू

जैसलमेर ए.। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शुक्रवार को राजस्थान के जैसलमेर में स्वदेशी हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर प्रचंड में उड़ान भरी। राष्ट्रपति ने भारत-पाकिस्तान सीमा के पास हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर 'प्रचंड' में सह-पायलट के तौर में उड़ान भर कर इतिहास रच दिया है। द्रौपदी मुर्मू स्वदेशी लड़ाकू हेलीकॉप्टर में सह-पायलट बनकर उड़ान भरने वाली पहली राष्ट्रपति हैं।

एलसीएच प्रचंड ने जैसलमेर स्थित भारतीय वायु सेना (आईएएफ) स्टेशन से उड़ान भरी। उड़ान से पहले कैप्टन ने राष्ट्रपति को जानकारी दी। जैतून के हरे रंग की वर्दी और हेलमेट पहने हुए उन्होंने प्रस्थान करने से पहले कॉकपिट से हाथ हिलाकर अभिवादन किया।

भारतीय सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति ने उड़ान के दौरान कॉकपिट से राष्ट्र के नाम संदेश भी दिया। उन्होंने कहा, 'प्रचंड हेलीकॉप्टर आत्मनिर्भरता का एक सशक्त प्रतीक है। इस समय मैं जैसलमेर जिले के ऊपर उड़ान भर रही हूं। मैं हमारे वीर सैनिकों को हार्दिक शुभकामनाएं और गहरी कृतज्ञता व्यक्त करती हूं। आपको मेरा सादर सलाम। जय हिंद, जय भारत।'

राष्ट्रपति ने 25 मिनट तक भरी उड़ान

यह उड़ान लगभग 25 मिनट तक चली। हेलीकॉप्टर पोखरण फायरिंग रेंज के ऊपर से गुजरा, जहां भारतीय वायुसेना शाम को 'वायु शक्ति' नामक अग्नि शक्ति प्रदर्शन आयोजित करेगी। राष्ट्रपति मुर्मू दिन-दुशाला-रात्रि प्रदर्शन का भी अवलोकन करेंगी। इससे पहले वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह ने राष्ट्रपति का जैसलमेर वायुसेना स्टेशन पर स्वागत किया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने अब तक रचे यह इतिहास

आज की इस उड़ान के साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आक्रमण हेलीकॉप्टर में उड़ान भरने वाली पहली भारतीय राष्ट्रपति बन गई हैं। यह राष्ट्रपति द्वारा अग्रिम मोर्चे के सैन्य प्लेटफॉर्म के साथ उच्च-स्तरीय सहभागिता की श्रृंखला में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने पिछले वर्ष अक्टूबर में अंबाला वायुसेना स्टेशन पर राफेल लड़ाकू विमान में उड़ान भरी थी, जिससे वह भारतीय वायुसेना के दो अलग-अलग लड़ाकू विमानों में उड़ान भरने वाली पहली भारतीय राष्ट्रपति बनीं। अप्रैल 2023 में उन्होंने असम के तेजपुर वायुसेना स्टेशन पर सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान में लगभग 30 मिनट की उड़ान भरी थी। इस दौरान उन्होंने ब्रह्मपुत्र और तेजपुर घाटी के ऊपर से उड़ान भरते हुए हिमालय का दृश्य भी देखा।

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग ने शुरू की निकायों में चुनावों की तैयारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग ने स्थानीय निकायों के आम व उप चुनावों की तैयारी शुरू कर दी है। इस संबंध में गुरुवार को राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी यशवंत कुमार तथा राज्य निर्वाचन आयोग की सचिव शिखा राजपूत तिवारी सहित वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने स्थानीय निकायो के आगामी आम एवं उप निर्वाचन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित विभागों के मध्य बेहतर समन्वय अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने विशेष रूप से निर्वाचक नामावली के अद्यतन कार्य को प्राथमिकता देते हुए निर्देश दिए कि आगामी आम व उप निर्वाचन हेतु आवश्यक ,निर्वाचक नामावली तैयार करने के लिए भारत निर्वाचन आयोग से विधानसभा क्षेत्रवार निर्वाचक नामावली का अद्यतन डाटा शीघ्र उपलब्ध कराया जाए। उक्त नामावली प्राप्त होते ही जिससे स्थानीय निकाय के आगामी निर्वाचन हेतु समयबद्ध एवं त्रुटिरहित निर्वाचक नामावली तैयार की जाएगी तथा निर्वाचन कार्यक्रम जारी किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ विधानसभा की कार्यवाही देखने पहुंचे सरेंडर नक्सली, झीरम हमले का मास्टरमाइंड भी शामिल

- एक दिन पहले गृहमंत्री के साथ किया था डिनर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के 120 सरेंडर नक्सली आज विधानसभा की कार्यवाही देखने पहुंचे हैं। इनमें 1 करोड़ का इनामी पूर्व नक्सली रुपेश भी शामिल है। वहीं, झीरम हमले का मास्टरमांड, 25 लाख इनामी चैतू भी कार्यवाही देखने आया है। 3 महीने पहले इसने जगदलपुर में सरेंडर किया था।

इससे पहले गुरुवार रात ये सभी नक्सली डिप्टी सीएम विजय शर्मा के निवास पर डिनर के लिए पहुंचे थे। निवास पर उनके लिए रेड कार्पेट बिछाया

गया था और फूलों से स्वागत किया गया। वहीं, सदन में आज विधायक पुन्नूलाल मोहले ने किसानों से जुड़ा मुद्दा उठाया। इसके साथ ही कांग्रेस विधायकों के सवाल पर वित्त मंत्री के जवाब के बाद हंगामा हुआ। विपक्ष ने विकास कार्यों की स्वीकृति मांगी। जवाब पर विपक्ष ने वॉकआउट किया।

छत्तीसगढ़ में टैक्स फ्री हुई शतक, सीएम साय की घोषणा

- मुख्यमंत्री ने मंत्रीमंडल के सदस्यों के साथ देखी फिल्म

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। संघ की 100 वर्षों की गौरवगाथा पर आधारित फिल्म 'शतक' को छत्तीसगढ़ में टैक्स-फ्री कर दिया गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित जोरा मॉल में फिल्म 'शतक' देखी और उसके बाद इसकी घोषणा की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय के साथ मंत्रिमंडल के सदस्य तथा जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने फिल्म के प्रदर्शन के बाद कहा कि 'शतक' केवल एक फिल्म नहीं,

बल्कि राष्ट्रप्रेम, जनसेवा और समर्पण की सतत साधना का सजीव चित्रण है। उन्होंने कहा कि संघ की प्रेरक गाथा जन-जन तक पहुँचे और नई पीढ़ी को राष्ट्र सेवा की भावना से प्रेरणा मिले, इस उद्देश्य से छत्तीसगढ़ में इस फिल्म को टैक्स-फ्री करने का निर्णय लिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार जी के तप, त्याग और दूरदर्शी विचारों से प्रारंभ हुई इस यात्रा को पूजनीय माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर जी ने नई दिशा और संगठनात्मक शक्ति प्रदान की। एक शताब्दी का यह इतिहास लाखों स्वयंसेवकों के अनुशासन, समर्पण और 'राष्ट्र प्रथम' की भावना का जीवंत प्रमाण है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने शिक्षा, सेवा और सामाजिक समरसता के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचने का कार्य किया है। आपदा, संकट और सामाजिक आवश्यकताओं के समय संघ कार्यकर्ताओं की सेवा भावना ने समाज को सशक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जनसेवा और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की यही प्रेरणा शासन के कार्यों में भी मार्गदर्शक बनती है।

क्रिकेटर रिंकू सिंह के पिता का निधन

अलीगढ़। क्रिकेटर रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह का शुक्रवार सुबह करीब 4.36 बजे निधन हो गया। वे 60 साल के थे। उन्हें फोर्थ स्टेज लिवर कैंसर था। कुछ दिन पहले उनकी तबीयत ज्यादा बिगड़

गई थी, जिसके बाद उन्हें अलीगढ़ से ग्रेटर नोएडा के प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती किया गया था। वहां उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था। पार्थिव शरीर को अलीगढ़ ले आया गया है। यहीं पर अंतिम संस्कार होगा। रिंकू भी चेन्नई से रवाना हो चुके हैं। थोड़ी देर में अलीगढ़ पहुंचेंगे।

इससे पहले, पिता की तबीयत बिगड़ने की सूचना मिलते ही रिंकू सिंह मंगलवार को टीम इंडिया का साथ छोड़कर नोएडा पहुंचे थे। उन्हें टी-20 विश्वकप का प्रैक्टिस सेशन छोड़ना पड़ा था। 25 फरवरी को रिंकू चेन्नई लौट गए थे और टीम के साथ जुड़ गए थे।

कृषक उन्नति योजना : उत्तर बस्तर के 92493 किसानों के खातों में जाएंगे 372 करोड़ 67 लाख रुपए

- मुख्यमंत्री साय 28 फरवरी को करेंगे राशि का अंतरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी कृषक उन्नति योजना के तहत खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में धान बेचने वाले जिले के किसानों के खातों में अंतर की राशि को अंतरित किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शनिवार 28 फरवरी को बिलासपुर

के बिल्हा विकासखण्ड के ग्राम रहंगी के खेल मैदान में आयोजित समारोह में दोपहर 12 बजे प्रदेश भर के किसानों के खातों में योजनांतर्गत राशि अंतरित करेंगे।

कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में धान बेचने वाले जिले के 92 हजार 493 किसानों के बैंक खातों में कुल 372 करोड़ 67 लाख 20 हजार रूपए की राशि अंतरित की जाएगी। इन किसानां के द्वारा वर्तमान खरीफ विपणन वर्ष में 50 लाख 98 हजार 696 क्विंटल धान बेचा गया है, जिनकी अंतर राशि 70 बैंक शाखाओं में शनिवार 28 फरवरी को अंतरित की जाएगी।

अफगानिस्तान का पाकिस्तान पर हमला दावा- 55 सैनिक मारे:जेट भी गिराया

- पाक ने भी की जवाबी एयर स्ट्राइक

काबुल ए.। अफगानिस्तान ने गुरुवार देर रात पाकिस्तान पर हमला किया। टोलो न्यूज के मुताबिक तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने इस हमले में 55 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराने का दावा किया। अफगान मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तालिबानी लड़ाकों ने एक पाकिस्तानी जेट भी मार गिराया है। यह हमला 22 फरवरी को अफगानिस्तान में पाकिस्तानी एयरस्ट्राइक के जवाब में किया गया।

अफगान सरकार का दावा है कि 23 पाकिस्तानी सैनिकों के शव उसके पास हैं। पाकिस्तानी सेना के एक हेडक्वॉर्टर और 19 चौकियों पर भी कब्जा कर लिया गया है। वहीं, पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक पाक सरकार ने ऑपरेशन 'गजब लिल हक' शुरू किया है। पाकिस्तान की वायुसेना ने काबुल, नंगरहार प्रांत समेत कई शहरों में एयरस्ट्राइक की।

एंटी नक्सल ऑपरेशन का असर, 15 नक्सलियों ने सरेंडर की जताई इच्छा, डिप्टी सीएम को लिखा पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा चलाए जा रहे एंटी नक्सल ऑपरेशन से माओवादियों में भय का माहौल है। इसके परिणामस्वरूप लगातार माओवादी आत्मसमर्पण कर रहे हैं। इसी कड़ी में ओडिशा के बलांगीर-बरगढ़ और छत्तीसगढ़ के महासमुंद क्षेत्र के नक्सलियों ने आत्मसमर्पण की इच्छा व्यक्त की है।

माओवादियों की ओडिशा राज्य कमेटी के पश्चिम सब जोनल ब्यूरो सचिव विकास ने एक पत्र जारी किया है। यह पत्र छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री व गृहमंत्री विजय शर्मा और महासमुंद पुलिस अधीक्षक के नाम भेजा गया है। पत्र में समाज की मुख्यधारा में जुड़ने की इच्छा जाहिर की गई है। इसके अनुसार, बलांगीर, बरगढ़ और महासमुंद इलाके में

सक्रिय करीब पंद्रह माओवादी आत्मसमर्पण करना चाहते हैं। यह आत्मसमर्पण दो या तीन मार्च को होने की संभावना है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने माओवादियों से अपील की है। उन्होंने कहा कि वे किसी भी प्रकार की चिंता न करें। संबंधित जिले के पुलिस अधिकारियों से संपर्क कर आत्मसमर्पण करें। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने माओवादियों को आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार उनका स्वागत करेगी। उनके पुनर्वास के लिए सभी संभव उपाय किए जाएंगे। उपमुख्यमंत्री की यह अपील आकाशवाणी द्वारा भी प्रसारित की जा रही है। यह कदम माओवादियों को मुख्यधारा में लौटने के लिए प्रोत्साहित करेगा। सरकार शांति स्थापना के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रभावी साबित हो रहा एंटी नक्सल ऑपरेशन

छत्तीसगढ़ सरकार का एंटी नक्सल ऑपरेशन प्रभावी साबित हो रहा है। इससे नक्सली गतिविधियों में कमी आई है। माओवादियों पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। यह दबाव उन्हें आत्मसमर्पण के लिए मजबूर कर रहा है। सरकार की नीति से क्षेत्र में शांति स्थापित होने की उम्मीद है। यह क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

संपादकीय

सुप्रीम संवेदनशीलता

न्यायिक तंत्र में संवेदना-करुणा को तरजीह

भारतीय समाज में किसी भी तरह की हिंसा से पीड़ित महिलाओं के लिये न्याय पाने की प्रक्रिया में न्यायिक तंत्र की विसंगतियों से जूझना कष्टप्रद रहा है। समाज में सोच रही है कि पहले ही हिंसा का शिकार हुई स्त्री द्वारा अपनी आपबीती को बार-बार दोहराना पुन: उसी यंत्रणा से गुजरना जैसा होता है। उसकी अभिव्यक्ति की गोपनीयता व पहचान सुरक्षित रखने की भी जरूरत महसूस की जाती रही है। विडंबना यह भी रही है कि अक्सर स्त्री के खिलाफ हुई हिंसा से जुड़े मामले में सामाजिक धारणाओं पर पितृसत्तात्मक सोच वाली मानसिकता का वर्चस्व रहता है। निर्विवाद रूप से हर तरफ से हारा-हताश व्यक्ति न्याय की चौखट पर अंतिम सहारे के रूप में जाता है। लेकिन कई बार देखने में आया है कि स्त्री के विरुद्ध हुए अपराध के मुकदमे के दौरान टिप्पणियों व फैसले पर पूर्वाग्रहों का असर नजर आता है, जिसे पहले से पीड़ित स्त्री के कष्ट में इजाफा ही होता है। कहा जाता है कि इस प्रक्रिया में यदा-कदा संवेदनशीलता व करुणा का भाव नदारद पाया गया। यही वजह है कि समय-समय पर शीर्ष अदालत ने न्यायाधीशों के निर्णयों को रूढ़िवादिता के प्रभाव से मुक्त करने के लिये प्रयास किए हैं। इसी आलोक में पिछले दिनों देश की शीर्ष अदालत ने राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी को यौन हिंसा व स्त्री से जुड़े अन्य अपराधों के परिप्रेक्ष्य में जजों तथा न्यायिक प्रक्रिया से जुड़े लोगों के लिए संवेदनशीलता तथा करुणा विकसित करने की पहल की है। दिशा-निर्देश तैयार करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने के निर्देश दिए हैं। निस्संदेह, इस संवेदनशील पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। स्पष्ट है कि सुप्रीम कोर्ट का यह प्रयास भविष्य में नई लीक बनाएगा, जिसमें न्यायाधीश स्त्री के विरुद्ध यौन हिंसा व अन्य अपराधों के मामलों में संवेदनशीलता के साथ सुनवाई कर सकेंगे। इसके साथ ही संभव हो सकेगा कि उनके फैसलों पर किसी सामाजिक भेदभाव की धारणा व पूर्वाग्रह का असर नजर न आए। निस्संदेह, इस प्रयास से न्याय को अधिक मानवीय व संवेदनशील बनाने में मदद मिल सकेगी। विगत में भी इस दृष्टिकोण की कमी न्यायिक प्रक्रिया में महसूस की जाती रही है। कई तरह की विसंगतियों को कई फैसलों में महसूस किया जाता रहा है। यही वजह है कि शीर्ष अदालत को न्यायिक प्रक्रिया में संवेदनशीलता विकसित करने की जरूरत पर बल दिया गया। हमारे समाज में न्यायाधीशों को पंच-परमेश्वर की संज्ञा दी गई है और उनसे नीर-क्षीर विवेक के साथ संवेदनशील व्यवहार की उम्मीद की जाती रही है। निश्चित रूप से शीर्ष अदालत के हस्तक्षेप के बाद न्यायपालिका के नजरिये में बदलाव के साथ न्यायिक प्रक्रिया में निहित संवेदनशीलता का समावेश हो सकेगा। वैसे तो विगत में भी इस दिशा में कई रचनात्मक पहल की गई हैं, लेकिन उनके आशातीत परिणाम सामने नहीं आए हैं। ऐसा ही एक प्रयास साल 2023 में एक पुस्तिका के रूप में सामने आया था, जिसमें फैसलों में पुरुष प्रधान मानसिकता वाली शब्दावली से परहेज करने का सुझाव दिया गया था। इसके साथ ही विगत में न्याय प्रक्रिया से जुड़े लोगों के लिये लैंगिक संवेदनशीलता पर केंद्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने की जरूरत पर बल दिया जाता रहा है। एक अन्य विकल्प के रूप में न्यायपालिका में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने की जरूरत भी बतायी जाती रही है। दरअसल, एक विसंगति यह भी रही है कि देश की निचली अदालतों में महिलाओं से जुड़े यौन हिंसा व अन्य गंभीर अपराधों के मामले में फैसले देते वक्त सामाजिक यथार्थ की अवहेलना की जाती रही है। फलस्वरूप कानूनी प्रावधानों की व्याख्या में चूक से अपराध की प्रकृति कमतर आंकी जाती है। जिससे पीड़ित महिला की न्याय की डगर मुश्किलों भरी हो जाती है। ऐसे में न्यायिक प्रक्रिया से जुड़े लोगों को लैंगिक संवेदनशीलता का पाठ पढ़ाए जाने के बाद पीड़िताओं को वास्तविक न्याय मिल सकेगा। तब न्यायाधीश पितृसत्तात्मक दुराग्रहों से निरपेक्ष रहकर महिला के वास्तविक कष्टों को महसूस करते हुए प्राकृतिक न्याय दे सकेंगे। भारत में 21वीं सदी के उन्नत सामाजिक परिवेश में लैंगिक संवेदनशीलता वाला न्याय एक अपरिहार्य स्थिति है। शीर्ष अदालत के इस दिशा में प्रयास वक्त की जरूरत के अनुरूप ही हैं।

> “ निर्विवाद रूप से हर तरफसे हारा-हताश व्यक्ति न्याय की चौखट पर अंतिम सहारे के रूप में जाता है। लेकिन कई बार देखने में आया है कि स्त्री के विरुद्ध हुए अपराध के मुकदमे के दौरान टिप्पणियों व फैसले पर पूर्वाग्रहों का असर नजर आता है, जिसे पहले से पीड़ित स्त्री के कष्ट में इजाफा ही होता है। कहा जाता है कि इस प्रक्रिया में यदा-कदा संवेदनशीलता व करुणा का भाव नदारद पाया गया।

अर्थव्यवस्था का नया नजरिया : भारत के जीडीपी के आधार में संशोधन को समझना

सौरभ गर्ग

सकल घरेलू उत्पाद या जीडीपी किसी देश की अर्थव्यवस्था के आकार और उसकी सेहत को आंकने का एक तरीका है। यह एक राष्ट्र का वह रिपोर्ट कार्ड है, जो हमें बताता है कि वह देश वस्तुओं और सेवाओं के लिहाज से कितना उत्पादन कर रहा है। जब जीडीपी बढ़ रही होती है, तो आमतौर पर इसका मतलब होता है कि कारोबार जगत वस्तुओं एवं सेवाओं का अधिक उत्पादन कर रहा है, अधिक संख्या में लोगों को रोजगार मिल रहा है और आय बढ़ रही है। वैश्विक स्तर पर भी जीडीपी का बेहद महत्व होता है। वर्तमान में भारत विश्व की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है और अनुमान है कि 2030 तक यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी।

अर्थव्यवस्था को मापने के एक साधन के रूप में, जीडीपी को अर्थव्यवस्था की सही नब्ज को पहचानने के उद्देश्य से नियमित रूप से संशोधित करते रहने की जरूरत होती है। इस काम को बदलती अर्थव्यवस्था के साथ तालमेल बनाए रखने के इरादे से जीडीपी के आधार वर्ष को नियमित अंतराल पर अद्यतन करके पूरा किया जाता है। जैसे - जैसे अर्थव्यवस्था के स्वरूप बदलता जाता है और नए उद्योग उभरते हैं, उपभोग के पैटर्न बदलते हैं तथा आंकड़ों के नए स्रोत विकसित होते हैं, इन संशोधनों से आधिकारिक आंकड़ों को असली हकीकतों के अनुरूप ढालने में मदद मिलती है और अनुमान अधिक सटीक व ठोस बन जाते हैं।

आधार में पिछले संशोधन के बाद से आंकड़ों के नए स्रोतों की उपलब्धता ने हमें जीडीपी में अलग-अलग सेक्टरों और अलग-अलग क्षेत्रों के योगदानों को अधिक स्पष्ट रूप से देखने और बेहतर तरीकों को अपनाने में मदद की है। उदाहरण के लिए, अनौपचारिक क्षेत्र को भी व्यापक रूप से कवर करने वाले गैर-निगमित क्षेत्र द्वारा मूल्य वर्धन का अनुमान लगाने में संदर्भ में।

जीडीपी के आधार में पिछले संशोधन के बाद से, कंपनियों के प्रबंधन एवं प्रशासन संबंधी आंकड़े (एमजीटी-7/7ए) जैसे कुछ नए किस्म के आंकड़े उपलब्ध हुए हैं। ये आंकड़े कंपनियों द्वारा की जाने वाली व्यावसायिक गतिविधियों की संख्या, एनआईसी 2008 के अनुसार व्यावसायिक गतिविधि के विवरण और प्रत्येक वर्ष प्रत्येक व्यावसायिक गतिविधि (उद्योग) से प्राप्त प्रतिशत कारोबार (टर्नओवर) की जानकारी प्रदान करते हैं। इसलिए, आधार का पुनर्निर्धारण करते समय बहु-गतिविधियों वाले उद्यमों के लिए मूल्यवर्धन को अब पहले की तरह पूरी तरह से मुख्य गतिविधि को आवंटित करने के बजाय नए उपलब्ध एमजीटी-7 के आंकड़ों के आधार पर विभिन्न गतिविधियों में आवंटित किया जाता है। इस बदलाव से हमें अलग-अलग सेक्टरों के योगदानों को अधिक सटीक रूप से समझने में मदद मिलती है। इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि प्रत्येक व्यावसायिक गतिविधि अर्थव्यवस्था को किस प्रकार संचालित कर रही है।

जिस प्रकार कंपनी स्तर के नए आंकड़े हमें अलग-अलग सेक्टरों के योगदानों को अधिक सटीक रूप से मापने में मदद करते हैं, ठीक वैसे ही नई श्रृंखला में जीएसटी आंकड़ों के बेहतर उपयोग से अन्य बातों के अलावा, निजी कॉरपोरेट सेक्टर से संबंधित क्षेत्रीय आवंटन में सुधार और राज्य स्तर पर व्यय-पक्ष के अनुमानों के बेहतर संकलन के जरिए जीडीपी में क्षेत्रीय योगदानों का अधिक सटीक और सूक्ष्म दृष्टिकोण हासिल होता है।

एएसयूएसई और पीएलएफएस जैसे सर्वेक्षणों से हासिल वार्षिक आंकड़ों की उपलब्धता, जिसकी सुविधा पहले नहीं थी, ने हमें गैर-निगमित क्षेत्र द्वारा वार्षिक रूप से मूल्यवर्धन का अनुमान लगाने की एक बेहतर पद्धति अपनाने में समर्थ बनाया है। पहले हम अन्य संकेतकों से अप्रत्यक्ष रूप से जीडीपी में इसके योगदान का अनुमान लगाते थे। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि लाखों घरेलू व्यवसायों, छोटी दुकानों और स्वरोजगार श्रमिकों से मिलकर बना यह सेक्टर अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा है और रोजगार एवं आजीविका में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

जीडीपी के आधार में संशोधन महज आंकड़ों के नए स्रोतों के उपयोग से कहीं आगे की बात है। यह कार्यप्रणाली में सुधार से भी जुड़ा है और इस संदर्भ में, जीडीपी की नई श्रृंखला में कई कार्य प्रणालीगत सुधार देखे गए हैं।

पहले, कीमतों में बदलाव के अनुसार जीडीपी को समायोजित करने की दोहरी अपस्फीति (डबल डिफ्लेशन) विस्तृत विधि सिर्फ कृषि क्षेत्र में ही लागू होती थी। वर्ष 2022-23 की नई श्रृंखला में दोहरी अपस्फीति विधि का विस्तार करके इसे मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र तक ले आया गया है, जहां अब पर्याप्त आंकड़े उपलब्ध हैं और अन्य सभी क्षेत्रों में एकल बहिर्वेशन (सिंगल एक्सट्रपलेशन)/ मात्रात्मक बहिर्वेशन (वॉल्यूम एक्सट्रपलेशन) विधि का उपयोग किया जाता है। यह दृष्टिकोण उपलब्ध आंकड़ों का सर्वोत्तम उपयोग करता है, जिससे अनुमान सटीक और विश्वसनीय बने रहते हैं। दोहरी अपस्फीति में बहुत अधिक आंकड़ों की आवश्यकता होती है, क्योंकि इसके लिए आउटपुट और इनपुट दोनों की कीमतों पर विस्तृत जानकारी की जरूरत होती है। जैसे-जैसे समय के साथ यह आंकड़ा और अधिक उपलब्ध होता जाएगा, हम इसके उपयोग का विस्तार और अधिक क्षेत्रों में कर सकेंगे।

कार्यप्रणाली की दृष्टि से एक उल्लेखनीय सुधार यह है कि अर्थव्यवस्था के अनुमानों को उत्पादित वस्तुओं (उत्पादन पक्ष) और लोगों एवं कारोबार जगत द्वारा किए गए व्यय (खर्च पक्ष) के आधार पर ढाला गया है। ये दोनों पक्ष अक्सर पूरी तरह से मेल नहीं खाते, जो कि दुनिया के तमाम देशों में और खासकर तिमाही जीडीपी के मामले में, एक आम समस्या है। इस समस्या को दूर करने के उद्देश्य से नई श्रृंखला में 'आपूर्ति एवं उपयोग सारणी' के ढांचे का उपयोग किया जा रहा है ताकि प्रारंभिक अनुमानों में विसंगतियों को सीमित किया जा सके और अंतिम अनुमानों के समय पूरे आंकड़े उपलब्ध होने पर उन्हें पूरी तरह से दूर किया जा सके।

जीडीपी के आंकड़ों को अद्यतन करना अर्थव्यवस्था को और भी स्पष्ट नजरिए से देखने जैसा है। हर आर्थिक गतिविधि, चाहे छोटी हो या बड़ी, स्पष्ट रूप से सामने आती है और राष्ट्र के विकास में उसके योगदान का सटीक तरीके से उजागर होता है। बेहतर आंकड़ों का उपयोग करके, विधियों को परिष्कृत करके और अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों के अनुरूप ढलकर, मंत्रालय ने अर्थव्यवस्था को और भी स्पष्ट रूप से पेश किया है। नागरिकों के लिए इसका मतलब यह है कि अब नीतियां एवं सार्वजनिक सेवाएं अर्थव्यवस्था की कार्यप्रणाली की सटीक समझ पर आधारित हैं, जिससे विकास का असर सिर्फ कागजों पर ही नहीं बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में भी महसूस हो रहा है।

(लेखक सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के सचिव हैं। ये उनके निजी विचार हैं।)

गुलामी के प्रतीकों को हटाने का हमें स्वागत करना चाहिए

पवन के. वर्मा

यूं तो मैं नई दिल्ली की सड़कों, प्रतिमाओं और इमारतों में सरकार द्वारा किए गए हर परिवर्तन का समर्थन नहीं करता हूं। मिसाल के तौर पर, मुझे समझ नहीं आता कि राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ क्यों किया गया।

न ही मैं यह समझ पाया हूं कि मुगल गार्डन्स का नाम बदलकर अमृत उद्यान क्यों किया गया, क्योंकि वह उद्यान मुगल शैली में ही निर्मित है। लेकिन इस महीने जब राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में एडविन लुटियन्स की प्रतिमा के स्थान पर सी. राजगोपालाचारी की प्रतिमा का अनावरण किया, तो इससे मुझे बड़ी प्रसन्नता हुई। लुटियन्स बेशक एक प्रतिभाशाली आर्किटेक्ट रहे होंगे, लेकिन वे असंदिग्ध नस्लवादी थे। भारतीयों के प्रति उनके मन में गहरी अवमानना की भावना थी, जिसे उन्होंने कभी नहीं छिपाया।

इसका अकाट्य प्रमाण 1985 में प्रकाशित पुस्तक 'द लेटर्स ऑफ एडविन लुटियन्स टु हिज वाइफ लेडी एमिली' में मिलता है। भारत का कुछ भी लुटियन्स को प्रभावित नहीं कर सका था- न वास्तुकला, न दर्शन, न संस्कृति और यहां के लोगों की चमड़ी का रंग तो हरगिज नहीं।

इंदौर के डेली कॉलेज में उन्होंने छात्रों को एक नस्लवादी शब्द से सम्बोधित किया था। बनारस में उन्होंने पाया कि यहां 'हर तरह के काले लोग, हर तरह का काम करते' हैं। मद्रास के लोगों के लिए तो उन्होंने और अभद्र टिप्पणी की।

एक अन्य प्रसंग में उन्होंने लिखा कि 'भारत के लोगों से कोई उम्मीद नहीं की जा सकती'। भारतीय धर्मों में उन्हें कोई बौद्धिकता नजर नहीं आई। अपने निजी स्टाफ के नामों पर भी वे फब्ती कसने से नहीं चूके। उन्होंने कहा, 'ये लोग वो तमाम हरकतें करते हैं, जो किसी भी गोरे साहब को ऊबा सकती हैं।'

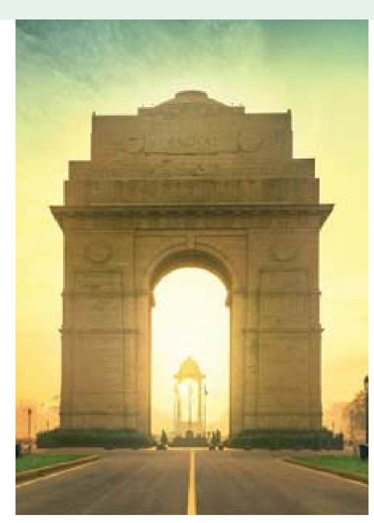

भारतीय वास्तुकला भी उन्हें प्रभावित नहीं कर पाई। बनारस के घाटों के किनारे स्थित मंदिर उन्हें 'बच्चों के खिलौने वाले पेड़ों' जैसे प्रतीत हुए। कुतुब मीनार की गढ़न उनके अनुसार बेपरवाह और बेढंगी थी। मुम्बई में होलकर का महल उन्हें अभद्र और उदयपुर का राजप्रासाद उन्हें आदिम लगा था। ताजमहल को भी उन्होंने खारिज करते हुए कह दिया कि वह यूनानियों और रोमनों की कृतियों के आसपास भी नहीं ठहरता।

उनके साथ काम करने वाले भारतीय शिल्पकारों के बारे में उनकी टिप्पणी थी कि 'इन्हें भद्दे पैटर्न्स और अनगढ़ देवप्रतिमाएं बनाने के सिवा कुछ नहीं आता'। एक निर्माण के अंतिम चरणों में काम का निरीक्षण करते हुए उन्होंने लिखा कि 'लापरवाह भारतीय हमेशा की तरह चीजें बरबाद कर रहे थे और बेतरतीबी फैला रहे थे'।

वे अपनी पत्नी के लिए बुद्ध प्रतिमा खरीदना चाहते थे, पर उन्हें कुछ भी मानक के अनुरूप नहीं लगा। उन्होंने लिखा- 'हे भगवान, यहां सबकुछ कितना कुरूप है।' यहां तक कि राष्ट्रपति भवन के भव्य गुम्बद को भी लुटियन्स ने इस प्रकार कल्पित किया था कि वह 'ब्रिटिश सैनिक, अधिकारी, मिशनरी या वायसराय के टोपीधारी सिर की छवि' उत्पन्न करे, जबकि इसे लुटियन्स के समर्थक भारतीय वास्तुकला से प्रेरित बताते हैं।

इन तमाम उद्धरणों से स्पष्ट है कि हम भारतीयों और हमारी महान सभ्यता के प्रति लुटियन्स का रवैया एक कुपढ़, बददिमाग और नस्लवादी व्यक्ति का था। ऐसे में स्वयं राष्ट्रपति भवन में लुटियन्स की प्रतिमा का होना हमारी औपनिवेशिक विस्मृति का दयनीय प्रतीक था।

यह पूर्णत: उपयुक्त है कि अब लुटियन्स की प्रतिमा को हटाकर उन चक्रवर्ती राजगोपालाचारी की प्रतिमा को स्थापित किया गया है, जो स्वतंत्र भारत के प्रथम और एकमात्र गवर्नर-जनरल थे। राजाजी एक सच्चे गांधीवादी और स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्हें मद्रास प्रेसिडेंसी के प्रीमियर, पश्चिम बंगाल के राज्यपाल और केंद्रीय गृह मंत्री के रूप में व्यापक राजनीतिक-प्रशासनिक अनुभव प्राप्त था।

वे चिंतक और लेखक भी थे। उनका साहित्यिक योगदान- जिसमें रामायण और महाभारत के अनुवादों से लेकर संस्कृति और राजनीति पर चिंतनपरक निबंध तक शामिल हैं- भारतीय बौद्धिक परम्परा को और समृद्ध बनाते हैं।

हम ऐसे गणराज्य हैं, जो अपनी सार्वजनिक स्मृति को अपनी ही मिट्टी में रोपना चाहता है। हमें सरकार को इस निर्णय के लिए बधाई देनी चाहिए, जो औपनिवेशिक इमारतें बनाने वाले के बजाय राष्ट्र की अंतश्चेतना के निर्माण में योगदान देने वाले व्यक्ति की स्मृति को समर्पित है।

यह पूर्णत: उपयुक्त है कि अब लुटियन्स की प्रतिमा को हटाकर उन सी. राजगोपालाचारी की प्रतिमा को स्थापित किया गया है, जो स्वतंत्र भारत के प्रथम और एकमात्र गवर्नर-जनरल थे। वे एक सच्चे गांधीवादी व स्वतंत्रता सेनानी थे।

आर्थिक योगदान व पर्यावरण क्षति का हो मूल्यांकन

जय सिंह रावत

आगन्तुकों की बाढ़ किसी राज्य की सफलता का पैमाना नहीं, बल्कि एक चेतावनी होना चाहिए। यह चेतावनी है संसाधनों के दोहन, अनियोजित शहरीकरण की और उस नीतिगत अंधेपन की है जो श्रद्धा को निवेश समझ बैठा है।

उत्तराखंड सरकार के अनुसार गत वर्ष राज्य में पर्यटकों का आगमन 6 करोड़ पार कर गया, जो कुल आबादी से छह गुना अधिक है। 'इंडिया टूरिज्म कम्पोडियम 2025' के आंकड़ों पर गौर करें तो यह आंकड़ा कोई मायावी नहीं हैं, बल्कि हकीकत है। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन की परिभाषा के आधार पर ही ये आंकड़े तैयार किये गये हैं। उन्हीं आंकड़ों के अनुसार गत वर्ष उत्तर प्रदेश में 64.6 करोड़ और तमिलनाडु में 30 करोड़ से अधिक पर्यटक पधारे थे। ये भारी-भरकम आंकड़े सरकारी फाइलों में सफलता के प्रमाणपत्र की तरह पेश किए जाते हैं, लेकिन इनकी गहराई में उतरते ही एक गंभीर विरोधाभास भी सामने आता है। अगर किसी प्रदेश में सचमुच आनंद की अनुभूति के लिए इतने पर्यटक आ जायें तो उस प्रदेश का बेड़ापार ही हो जाये! क्या विशाल भीड़ वास्तव में वह 'पर्यटक' है, जिससे अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है, या यह केवल एक सांख्यिकीय भ्रम है?

'संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन' के मानक 'पर्यटक' की परिभाषा को इतना व्यापक बना देते हैं कि इसमें श्रद्धा और सैर-सपाटे के बीच का अंतर समाप्त हो जाता है। यदि कोई व्यक्ति अपने सामान्य निवास स्थान से बाहर 24 घंटे से अधिक रुकता है, तो उसे पर्यटक माना जाएगा, चाहे उद्देश्य धार्मिक हो या मनोरंजन। इन्हीं मानकों की ओट में भारतीय राज्य कांवड़ियों और साधुओं को भी 'पर्यटक' की श्रेणी में दर्ज कर लेते हैं। यहीं से उस धारणा को चुनौती देने की आवश्यकता है जो संख्यात्मक बहुलता को आर्थिक समृद्धि का पर्याय मान लेती है। वास्तव में पर्यटक और तीर्थयात्री के उद्देश्य और खर्च करने की क्षमता में मौलिक अंतर होता है। पर्यटक होटलों में रुकता है और स्थानीय अर्थव्यवस्था में 'लिक्विड कैश' का संचार करता है। इसके विपरीत, पारंपरिक तीर्थयात्री अक्सर अपना भोजन साथ लेकर चलते हैं और उनकी यात्रा का उद्देश्य मानसिक शांति होती है, न कि आर्थिक उपभोग।

'प्लेजर टूर' या आनंदमयी यात्रा ही वास्तव में पर्यटन की वह मूल अवधारणा है जो इसे 'तीर्थाटन' से अलग करती है। पर्यटन का मुख्य आधार 'अवकाश' (लीजर) है, जिसे गिल्बर्ट सिगॉक्स ने एक ऐसी मानवीय गतिविधि माना है, जिसमें व्यक्ति स्वेच्छा से अपने मनोरंजन, ज्ञानवर्धन या स्वास्थ्य लाभ के लिए सामान्य परिवेश का त्याग करता है। तीर्थाटन जहां धार्मिक आस्था, कर्तव्य और मोक्ष की भावना से प्रेरित होता है, वहीं 'प्लेजर टूर' का प्राथमिक उद्देश्य मानसिक शांति, भौतिक सुख और व्यक्तिगत खुशी प्राप्त करना होता है।

दरअसल, तीर्थाटन में जहां 'श्रद्धा' सर्वोपरि है, वहीं पर्यटन या 'प्लेजर टूर' जब हम इन दोनों श्रेणियों को एक ही तराजू में तौलते हैं, तो नीतिगत स्तर पर भारी चूक होने की संभावना बढ़ जाती है। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्यों में जहां तीर्थाटन का बोलबाला है, वहां की अवसंरचना पर पड़ने वाला दबाव इन करोड़ों नवागन्तुकों की भीड़ से तय होता है, लेकिन उस दबाव को झेलने के लिए मिलने वाला राजस्व उस अनुपात में नहीं होता। उदाहरण के तौर पर, कांवड़ यात्रा के दौरान लाखों की भीड़ के लिए प्रशासन को सफाई, सुरक्षा और स्वास्थ्य की जो व्यवस्था करनी पड़ती है, उसका वित्तीय बोझ करदाताओं की जेब पर पड़ता है, जबकि उस भीड़ से होने वाला प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ न्यूनतम होता है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हम केवल संख्या गिनने के लिए अपनी पारिस्थितिकी और संसाधनों को दांव पर लगा रहे हैं?

तर्कपूर्ण ढंग से देखें तो पर्यटकों और तीर्थयात्रियों के लिए आवश्यक अवसंरचना भी पूरी तरह भिन्न होती है। एक हाई-वैल्यू पर्यटक को बेहतर कनेक्टिविटी, स्वच्छता, निजी स्थान और उच्चस्तरीय आतिथ्य की आवश्यकता होती है। यदि किसी गंतव्य पर तीर्थयात्रियों की अनियंत्रित भीड़ होगी, तो वह स्थान वास्तविक पर्यटकों के लिए अपनी अपील खो देगा। इसे 'क्राउडिंग आउट इफेक्ट' कहा जा सकता है, जहां कम खर्च करने वाली भीड़ अधिक खर्च करने वाले पर्यटकों को विस्थापित कर देती है। संवेदनशील हिमालयी राज्यों के लिए यह स्थिति और भी भयावह है। यहां की 'वहन क्षमता' सीमित है। करोड़ों की संख्या कागजों पर अच्छी लग सकती है, लेकिन क्या हमारे पहाड़, हमारी नदियां और हमारे शहर इतने लोगों का कचरा और उनकी जरूरतों का बोझ उठाने में सक्षम हैं?

हमें राजस्व के आंकड़ों का गहन विश्लेषण करना होगा। क्या हम ऐसे आंकड़े सार्वजनिक कर सकते हैं जो यह बताएं कि प्रति व्यक्ति पर्यटक से राज्य को कितनी आय हुई? अक्सर देखा गया है कि जिस राज्य में पर्यटकों की संख्या सबसे अधिक होती है, जरूरी नहीं कि पर्यटन से होने वाली आय में भी वह राज्य अव्वल हो। केरल जैसे राज्य ने इस मामले में एक अलग लकीर खींची है, जहां संख्या के बजाय 'वैल्यू' पर ध्यान दिया जाता है। वहां तीर्थयात्री भी आते हैं, लेकिन राज्य की ब्रांडिंग 'गॉड्स ओन कंट्री' के रूप में एक विशिष्ट पर्यटक वर्ग को आकर्षित करने के लिए की गई है। इसके उलट, उत्तर भारत के राज्यों में पर्यटन नीति अक्सर 'संख्या आधारित' होकर रह गई है। सांख्यिकीय जादूगीरी का यह आलम है कि यदि एक व्यक्ति अपनी यात्रा के दौरान तीन अलग-अलग जिलों में रुकता है, तो उसे तीन पर्यटक मान लिया जाता है।

सामयिक परिप्रेक्ष्य में हमें अपनी पर्यटन नीति को 'परिमाण' से हटाकर 'गुणवत्ता' पर केंद्रित करना होगा। बजट 2026-27 में घोषित 'पर्यटन केंद्रों की रैंकिंग' की योजना तभी सफल होगी जब रैंकिंग के मानदंडों में केवल फुटफॉल (आगंतुकों की संख्या) को ही पैमाना न बनाया जाए, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, प्रति व्यक्ति राजस्व और आगंतुक के अनुभव को भी शामिल किया जाए। तीर्थयात्रियों के लिए अलग प्रबंधन और पर्यटकों के लिए अलग विपणन रणनीति समय की मांग है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि एक नंगे पांव चलने वाला श्रद्धालु और एक बैकपैक लेकर चलने वाला पर्यटक, दोनों ही हमारे देश की सांस्कृतिक विविधता के हिस्से हैं, लेकिन आर्थिक नियोजन में दोनों की भूमिकाएं भिन्न हैं।

आगन्तुकों की बाढ़ किसी राज्य की सफलता का पैमाना नहीं, बल्कि एक चेतावनी होना चाहिए। यह चेतावनी है संसाधनों के दोहन, अनियोजित शहरीकरण की और उस नीतिगत अंधेपन की है जो श्रद्धा को निवेश समझ बैठा है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

साहित्य सृजन परिषद की ओर से होली मिलन और सरस काव्य गोष्ठी 28 को

भिलाई। साहित्य सृजन परिषद भिलाई की ओर से होली मिलन समारोह एवं सरस काव्य गोष्ठी का आयोजन 28 फरवरी शनिवार को किया गया है। दोपहर 2:30 बजे से राजराजेश्वरी मंदिर परिसर पावर हाउस भिलाई में यह आयोजन होगा। जिसमें मुख्य अतिथि - आचार्य डॉ महेश चंद्र शर्मा होंगे। अध्यक्षता पंडित प्भुनाथ मिश्र करेंगे। विशिष्ट अतिथि सुशील यादव होंगे। संस्था अध्यक्ष -एन एल मौर्य प्रीतम स्वागत उद्बोधन देंगे। वहीं मंच संचालन उपाध्यक्ष नीता कम्बोज करेंगी। आभार प्रदर्शन महासचिव -ओमवीर करन करेंगे। यह जानकारी उपाध्यक्ष-नीलम जायसवाल ने दी।

रफी की आवाज मनोहर ठाकुर शनिवार को स्टील क्लब में

भिलाई। छत्तीसगढ़ में रफी की आवाज के नाम से मशहूर गायक मनोहर सिह ठाकुर शनिवार 28 फरवरी की शाम स्टील क्लब में अपन प्रस्तुति देंगे। स्टील क्लब शासी निकाय के सचिव डी विजिथ, कोषाध्यक्ष अजय पांडे एवं मेटलर्जिकल म्यूजिक मेकर्स के अध्यक्ष ज्ञान चतुर्वेदी ने बताया कि कार्यक्रम संध्या 6.30 बजे प्रारंभ होगा जिसमें 3एम के कलाकार भी प्रस्तुति देंगे। सेफी चेयरमैन तथा बीएसपी ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एनके बंछोर कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि होंगे।

यूनिवर्सल रेल मिल में आप भी जानिए कार्यक्रम का आयोजन

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन कार्यालय, मिल्स जोन-2 द्वारा यूनिवर्सल रेल मिल में कार्यरत अधिकारियों की पत्नियों के लिए आप भी जानिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों के परिवारों को संयंत्र की कार्यप्रणाली, सुरक्षा मानकों तथा उत्पादन प्रक्रिया से अवगत कराना तथा सुरक्षित एवं सकारात्मक कार्यसंस्कृति में उनकी सहभागिता सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम का उद्घाटन मानव संसाधन-एल एंड डी में आयोजित समारोह के साथ हुआ।

जोन-4 के तहत विभिन्न क्षेत्रों का आयुक्त ने किया निरीक्षण

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने शहर के विकास और बेहतर व्यवस्था हेतु निरीक्षण किये। उन्होंने जोन-4 खुर्सीपार अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया, जिसमें नवनिर्मित डामरीकरण रोड का अवलोकन, प्रकाश एवं पेयजल व्यवस्था के बेहतर प्रबंधन संबंधी निर्देश मुख्य है। इस दौरान आयुक्त ने वार्ड 46 मिनी माता नगर के नवनिर्मित डामरीकरण रोड, प्रकाश और जल आपूर्ति व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया। उन्होने अधिकारियों को निर्देश दिये कि पेयजल का दुरुपयोग होने से बचाये और बर्बाद हो रहे पेयजल के लिए टैब लगाएं। निगम आयुक्त ने शहर वासियों से अपील किए हैं कि ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए जल संरक्षण में निगम का सहयोग करें, व्यर्थ पानी न बहाएं और ना ही बहने दे । आयुक्त ने अधिकारियों को सुधार कार्यो की गति बढ़ाने का आदेश दिया गया है।

राइस मिलर्स की बैठक में कलेक्टर सिंह ने कहा 28 फरवरी तक शत-प्रतिशत डीओ कटवाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में जिला कलेक्टोरेट सभाकक्ष में राइस मिलर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में धान उठाव की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि डीओ कटने के बाद भी धान का उठाव अपेक्षित गति से नहीं हो रहा है, जिससे समितियों में धान का भंडारण बढ़ रहा है। उन्होंने 28 फरवरी तक शत-प्रतिशत डीओ कटवाकर उठाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही 15 मार्च तक सभी समितियों से धान उठाव पूर्ण करने की समय-सीमा तय की।

कलेक्टर सिंह ने कहा कि उठाव के समय जिन स्थानों के लिए टैगिंग की जा चुकी है, उसमें किसी प्रकार का परिवर्तन न किया जाए। इस संबंध में नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में एफआरके के वितरण एवं उठाव की भी समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मिलिंग के साथ-साथ एफआरके की निर्धारित मात्रा का भी समय पर उठाव सुनिश्चित किया जाए, ताकि सार्वजनिक वितरण प्रणाली में किसी प्रकार की बाधा न आए। बैठक में मिलर्स ने डीओ कटवाकर उठाव में तेजी लाने पर सहमति जताई और प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने सभी मिलर्स को निर्देश दिए कि मार्च माह में पीडीएस के तहत चावल वितरण सुनिश्चित करने के लिए दो दिवस के भीतर टैगिंग अनुसार चावल संबंधित गोदामों में जमा कराएं। इसके अलावा उसना मिलिंग की गति बढ़ाने के निर्देश देते हुए कलेक्टर ने शेष लक्ष्य अनुसार डीओ के लिए आवेदन प्रस्तुत करने को कहा, ताकि धान उठाव एवं मिलिंग कार्य समय-सीमा में पूर्ण हो सके। इस अवसर पर खाद्य नियंत्रक अनुराग भदौरिया, जिला विपणन अधिकारी राहुल कुमार, नागरिक आपूर्ति निगम से नीलिमा ठक्कर उपस्थित थी।

कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न व शी-बॉक्स पोर्टल पर विशेषज्ञों ने रखी अपनी बात

दुर्ग में जिला स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रेरणा सभा कक्ष में आज महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित महत्वपूर्ण कानूनों पर जिला स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में महिलाओं तथा बच्चों के अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम, 1956, महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 तथा शी-बाक्स पोर्टल के प्रावधानों पर विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ जिला कार्यक्रम अधिकारी आरके जाम्बुलकर द्वारा अतिथियों एवं प्रतिभागियों के स्वागत के साथ किया गया। कार्यशाला में अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम 1956 के संबंध में एडिशनल एसपी चित्रा वर्मा ने विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम 2013 के विषय में विषय विशेषज्ञ रचना नायडू ने अधिनियम के प्रावधानों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सभी शासकीय एवं अशासकीय कार्यालयों, संस्थानों, कारखानों, दुकानों, प्रतिष्ठानों एवं शॉपिंग मॉल आदि में, जहां 10 या उससे अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, वहां आंतरिक शिकायत समिति का गठन अनिवार्य है।

घटना के तीन माह के भीतर शिकायत दर्ज करने का अधिकार

महिलाओं के कानूनी अधिकारों की जानकारी देते हुए रचना नायडू ने बताया कि प्रत्येक महिला को सुरक्षित कार्यस्थल का अधिकार, घटना के तीन माह के भीतर शिकायत दर्ज करने का अधिकार, गोपनीयता का अधिकार (नाम सार्वजनिक नहीं किया जाएगा), जांच के दौरान सुरक्षा (स्थानांतरण, अवकाश आदि) तथा निष्पक्ष जांच का अधिकार प्राप्त है। नियोक्ताओं की जिम्मेदारियों पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि आंतरिक शिकायत समिति का गठन, कर्मचारियों को पॉश प्रशिक्षण प्रदान करना, शिकायतों पर समयबद्ध कार्यवाही, वार्षिक रिपोर्ट तैयार करना तथा कानून का पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है।

इस अवसर पर चेम्बर ऑफकॉमर्स के अध्यक्ष अनूप गटागट, महिला विंग की अध्यक्ष मानसी गुलाटी, लघु उद्योग भारती की अध्यक्ष सीपी दुबे, शिव चन्द्राकर, विजय अग्रवाल सहित विभिन्न अशासकीय प्रतिष्ठानों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। महिला एवं बाल विकास अधिकारी तथा अन्य अधिकारी-कर्मचारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

समिति का गठन न करने पर 50,000 रुपए तक जुर्माना

समिति का गठन न करने पर 50,000 रुपये तक जुर्माना एवं लाइसेंस निरस्तीकरण का प्रावधान है। दोष सिद्ध होने पर लिखित माफी, वेतन कटौती, पदावनति, सेवा से निष्कासन तथा आवश्यकतानुसार पुलिस कार्रवाई भी की जा सकती है। कार्यशाला में सभी कार्यालयों को अपने संस्थान एवं आंतरिक शिकायत समिति को शी-बॉक्स पोर्टल पर ऑनबोर्ड करने के संबंध में भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्री अजय कुमार साहू ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सभी अशासकीय प्रतिष्ठानों में आंतरिक शिकायत समिति के गठन एवं उसे शी-बॉक्स पोर्टल पर ऑनबोर्ड कराने हेतु संगठन प्रमुखों से सहयोग का अनुरोध किया।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 44 हितग्राहियों को मिला आवास

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) एएचपी अंतर्गत आवास आबंटन हेतु लॉटरी का आयोजन निगम सभागार कक्ष में किया गया। इस पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से कुल 44 हितग्राहियों को स्थल सूर्या विहार के पीछे खम्हरिया, माईल स्टोन स्कूल के पीछे, आम्रपाली फेस-1 हाउसिंग बोर्ड, ग्रीनवेली एवं कृष्णा इंजीनियरिंग कालेज के पीछे निर्मित आवास आबंटित किया गया है। पूर्व में पात्र हितग्राहियों को कुल 1572 मकान आबंटित किया जा चुका है।

प्रधानमंत्री आवास योजना की लॉटरी में महापौर नीरज पाल, आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, महापौर परिषद के सदस्य संदीप निरंकारी, चंद्रशेखर गंवई, पार्षद महेश वर्मा, सांसद प्रतिनिधि प्रमोद सिंह, पार्षद हरिओम तिवारी, नोडल अधिकारी सह अधीक्षण अभियंता अजीत तिग्गा, जोन आयुक्त कुलदीप गुप्ता की उपस्थिति रही। पुरी प्रक्रिया पारदर्शिता बनाये रखने के लिए सार्वजनिक रूप से संपन्न कराया गया। चयनित हितग्राहियों के नाम लाटरी प्रणाली के माध्यम से घोषित किये गये है।

प्रधानमंत्री आवास योजना का उददेश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग एवं निम्न आय वर्ग के परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराना है। योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवास उपलब्ध कराये जा रहे है। आवास प्राप्त करने वाले हितग्राहियों ने शासन एवं निगम प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किये। निगम प्रशासन ने कहा कि भविष्य में भी पात्र आवेदकों को योजना का लाभ दिलाने इसी प्रकार की पारदर्शी प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

बीएसपी के एसएमएस -2 में सुरक्षा सप्ताह का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के स्टील मेल्टिंग शॉप-2 (एसएमएस-2) में सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों एवं अधिकारियों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता, सतर्कता तथा उत्तरदायित्व की भावना को और अधिक सुदृढ़ करना तथा कार्यस्थल पर शून्य-दुर्घटना संस्कृति को प्रोत्साहित करना था।

सुरक्षा सप्ताह के समापन समारोह के मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक पीके सरकार थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य महाप्रबंधक एसके घोषाल ने की। इस अवसर पर सेफी चेयरमेन एवं ओए-बीएसपी के अध्यक्ष एनके बंछोर, मुख्य महाप्रबंधक देवदत्त सतपथी सहित अन्य मुख्य महाप्रबंधकगण, वरिष्ठ अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

समारोह का शुभारंभ सुमित कुमार द्वारा सभी उपस्थितजनों को सुरक्षा शपथ दिलाकर किया गया। तत्पश्चात उन्होंने सुरक्षा सप्ताह के दौरान आयोजित गतिविधियों एवं उपलब्धियों पर विस्तृत सुरक्षा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिसमें विभाग की सुरक्षा उपलब्धियों, जोखिम न्यूनीकरण उपायों तथा भविष्य की कार्ययोजना का उल्लेख किया गया।

सुरक्षा सप्ताह के दौरान विविध सुरक्षा-उन्मुख कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें क्यू-काड्र्स एवं टूलबॉक्स वार्ता पर आशु भाषण, सेफ्टी पेंटिंग पोस्टर प्रतियोगिता, सेफ्टी स्लोगन एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता, औद्योगिक कार्य संबंधी सामान्य ज्ञान पर क्विज़ तथा अधिकारियों हेतु सुरक्षा मानकों पर विशेष क्विज़ प्रतियोगिता शामिल रहीं। सभी प्रतियोगिताओं में कर्मचारियों एवं अधिकारियों की उत्साहपूर्ण एवं सक्रिय सहभागिता रही, जो गत वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय रूप से अधिक थी। यह बढ़ती सहभागिता कार्यस्थल पर सुरक्षा के प्रति सकारात्मक सोच एवं प्रतिबद्धता को परिलक्षित करती है।

दीक्षा और सूरज बने योगासना स्पोर्ट्स के नेशनल कोच

■ छत्तीसगढ़ के योग साधकों की राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के खेल जगत के लिए आज एक स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान , पटियाला, पंजाब में आयोजित गरिमामय कार्यक्रम के दौरान प्रदेश की दो उभरती और प्रतिभाशाली योग विभूतियों, दीक्षा साहू (दुर्ग) और सूरज साहू (बिलासपुर) ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए 'योगासना स्पोर्ट्स' के नेशनल कोच बनने का गौरव हासिल किया है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि से पूरे प्रदेश के योग प्रेमियों में हर्ष की लहर है।

दीक्षा साहू योग के प्रति समर्पित परिवार से आती हैं। उनके पिता तिजऊ राम साहू और माता यशोदा देवी साहू (योग शिक्षिका) के निरंतर मार्गदर्शन और संस्कारों ने उनकी सफलता की नींव रखी है। इसी तरह सूरज साहू ने बिलासपुर जिले का गौरव बढ़ाते हुए अपनी कड़ी मेहनत, अटूट निष्ठा और तकनीकी कौशल के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर कोच एवं जज के रूप में अपना स्थान सुनिश्चित किया है।

दोनों नवनियुक्त नेशनल कोचों ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने मार्गदर्शकों गोस्वामी जयंत विष्णु भारती (प्रेसिडेंट-छत्तीसगढ़ योगासना स्पोर्ट्स), अनुप बंसल (सह-राज्य प्रभारी-भारत स्वाभिमान न्यास, छत्तीसगढ़) के साथ मास्टर आनंद सिंह (डायरेक्टर - स्वालंबी योग एकेडमी) के विशेष तकनीकी मार्गदर्शन, कठिन प्रशिक्षण को दिया है। पटियाला से नेशनल कोच की उपाधि प्राप्त करने के बाद अब दीक्षा और सूरज की जिम्मेदारी और बढ़ गई है। अब वे न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि संपूर्ण राष्ट्र के उभरते योग खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करेंगे और आगामी राष्ट्रीय योगासना प्रतियोगिताओं में निर्णायक की महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेंगे।

संघर्ष रंग लाया, शासकीय कर्मियों को मिला कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ

■ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने जताया शासन का आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने राज्य शासन द्वारा शासकीय कर्मियों को कैशलैस चिकित्सा सुविधा दिए जाने पर आभार जताया है। संघ के साथ-साथ शासकीय विभागों के अन्य संगठनों ने भी विगत तीन वर्षों से इस संबंध में शासन से लगातार मांग की थी। अब राज्य सरकार के बजट में इस आशय की घोषणा से स्वास्थ्य कर्मियों में हर्ष का माहौल है।

संघ के प्रदेश महामंत्री सैयद असलम ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार का बजट वित्त मंत्री ओ पी चौधरी ने पेश किया, जिसमें अधिकारी-कर्मचारियों को कैशलैस चिकित्सा सुविधा की सौगात देते हुए इसके लिए 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। संघ की ओर से प्रदेश महामंत्री सैय्यद असलम ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और वित्त मंत्री ओ पी चौधरी सहित कैबिनेट मंत्रियों और छत्तीसगढ़ के समस्त विधायक और सांसदों का इस पुनीत कार्य कैशलैस चिकित्सा सुविधा योजना के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया है।

उन्होंने बताया कि इसके लिए लगातार पत्राचार, संघर्ष , ज्ञापन, धरना-प्रदर्शन करते हुए शासन के विभिन्न पटलों पर मुद्दा रखा गया। उन्होंने बताया कि स्टील व कोल के सार्वजनिक उपक्रमों और केंद्र सरकार के कर्मचारियों को यह सुविधा पहले से उपलब्ध है किन्तु राज्य शासन के कर्मचारियों को इसका लाभ नहीं मिलता था। राज्य के सरकारी कर्मचारी केवल शासकीय अस्पतालों के भरोसे रहते है।

निजी अस्पताल में उपचार और बिल का भुगतान कर पाना उसके लिए दुर्लभ था। समय पर बेहतर उपचार व उचित चिकित्सा व्यवस्था नहीं होने की वजह से कई बार अपने परिजनों को खोना पड़ जाता था। वहीं जो लोग अपना एंव परिजनों का इलाज कर्ज लेकर करा भी लेते थे, उन्हें चिकित्सा प्रतिपूर्ति राशि (मेडिकल बिल) उतनी स्वीकृत नहीं होती थी। दोनों स्थितियों में शासकीय कर्मचारियों को कठिनाइयां का सामना करना पड़ रहा था। सैय्यद असलम ने बताया कि प्रदेश के सभी संगठनों द्वारा अपने अपनी मांगों में कैशलैस चिकित्सा सुविधा प्रदान करने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया और शासन के समक्ष रखा गया।

इन सामूहिक प्रयासों और सार्थक प्रयासों से छत्तीसगढ़ सरकार ने उन सभी बिंदुओं पर विचार विमर्श कर बहुप्रतीक्षित मांग को पूरा किया है। राज्य शासन की ओर से शासकीय कर्मियों को कैशलैस चिकित्सा सुविधा देने की घोषणा के साथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई तीन में अधिकारी-कर्मचारियों ने खुशियां मनाते हुए एक दूसरे को बधाई दी और मिठाई बांटी। कर्मियों ने महामंत्री सैय्यद असलम को माला पहनाकर स्वागत किया।

शासन का धन्यवाद ज्ञापित करने वालों में संरक्षक और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंपेक्स ओ पी शर्मा प्रांताध्यक्ष अनिल पांडेय, कार्यकारी प्रांताध्यक्ष आर डी दीवान, एस पी दीवान, प्रमेश पाल अजय नायक, सत्येंद्र कुमार गुप्ता, आर विश्वास , हर्षा मानिकपुरी, नारायण साहू, वर्षा पांडेय, गुलशन खलखो, समीर रात्रे, निवेश प्रधान देवेंद्र राजपूत, जैकलीन डॉन, तृप्ति चंद्राकर, स्मिता बागड़े, आलिया खातून, उषा वर्मा, पी स्वामी, निवेश प्रधान, आर विश्वास, मनोरमा बंछोर, नीना चक्रवर्ती, थानेशवरी, चम्पाकली सोनी , प्रकाश, नेतराम, यशवंत साहू, वर्षा पांडेय, जी मोहन राव,एम पंडैया, व्ही राम चंद्र मूर्ति,विवेक कापारे ,बी एल वर्मा, सोनसीर,देवीला चंद्राकर, कुमेश साहू, राज विजय लक्ष्मी, खिलावन चंद्राकर, लक्ष्मीकांत धोटे, भूपेश उपाध्याय, रोशन सिंह, जिला चिकित्सालय दुर्ग अध्यक्ष राघवेंद्र साहू व प्राचार्य पुष्पा बांधे तथा नर्सिंग अध्यक्ष मंजू राय सहित तमाम पदाधिकारी शामिल हैं।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

रायपुर में होली पर शराब दुकानें रहेंगी बंद

रायपुर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी कार्यालय से जारी आदेश के अनुसार होली पर्व के अवसर पर जिले की सभी देशी एवं विदेशी शराब दुकानें 4 मार्च 2026 को पूर्णत: बंद रहेंगी। यह निर्णय कानून-व्यवस्था बनाए रखने और त्योहार को शांतिपूर्ण वातावरण में मनाने के उद्देश्य से लिया गया है। जारी निर्देश में स्पष्ट किया गया है कि उक्त दिन रायपुर जिले में स्थित सभी शराब दुकानें, बार, होटल-बार तथा संबंधित लाइसेंसधारी प्रतिष्ठान बंद रहेंगे। प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों को आदेश का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर गौरव कुमार सिंह ने कहा है कि आदेश का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने नागरिकों से होली का त्योहार शांति और सौहार्द के साथ मनाने की अपील की है।

रायपुर के व्यस्त मार्गों पर दिन में रैली-जुलूस पर प्रतिबंध, दो माह तक लागू रहेगा आदेश

रायपुर। कमिश्नरेट रायपुर द्वारा शहर के अति व्यस्त मार्गों में यातायात सुगमता, कानून-व्यवस्था एवं जनसुविधा को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। प्रात: 09:00 बजे से रात्रि 09:00 बजे तक निर्धारित क्षेत्रों में किसी भी प्रकार की रैली, शोभायात्रा, जुलूस, धरना अथवा अन्य प्रदर्शन के आयोजन पर प्रतिबंध लगाया गया है। प्रतिबंधित क्षेत्र में जी.ई. रोड शारदा चौक से जयस्तंभ चौक होते हुए शास्त्री चौक, मालवीय रोड में जयस्तंभ चौक से कोतवाली चौक, सदर बाजार रोड में कोतवाली से सत्तीबाजार चौक एवं एम.जी. रोड में गुरूनानक चौक से शारदा चौक शामिल हैं। जारी आदेश के अनुसार उपरोक्त क्षेत्रों में रैली, शोभायात्रा एवं अन्य प्रकार के जुलूस धारा 163 भारतीय सुरक्षा संहिता के अंतर्गत आगामी दो माह तक प्रतिबंधित रहेंगे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह निर्णय शहर में शांति, सुव्यवस्था एवं सुचारू यातायात व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से लिया गया है।

यूएन मेंटर ने दिया बेस्ट टूरिज्म विलेज का मंत्र

जगदलपुर। बस्तर जिले का वनांचल क्षेत्र धुड़मारास आज वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर अपनी चमक बिखेरने के लिए तैयार दिखा। यूएन मेंटर और हिवा कोचिंग एंड कंसल्टिंग की संस्थापक सुश्री किर्सी ह्यवैरिनेन के छह दिवसीय विशेष भ्रमण के चौथे दिन गुरुवार को यहाँ साहसिक पर्यटन के रोमांच और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञता का एक अनूठा संगम देखने को मिला। सुबह की पहली किरण के साथ ही कांगेर नाले के तट पर कयाकिंग और राफ्टिंग जैसी साहसिक गतिविधियों का तकनीकी अवलोकन शुरू हुआ, जहाँ स्थानीय इको-डेवलपमेंट समितियों और वेंडरों ने विशेषज्ञों के साथ मिलकर एडवेंचर टूरिज्म के सुरक्षित संचालन और भविष्य की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। कांगेर नाले की लहरों पर तकनीकी बारीकियों को समझने के साथ ही यह स्पष्ट हो गया कि धुड़मारास जल्द ही देश के प्रमुख एडवेंचर हब के रूप में उभरेगा।कांगेर नाले के तट पर तकनीकी निरीक्षण के पश्चात दिन का दूसरा सत्र नीतिगत विमर्श और वैश्विक विजन के नाम रहा। इस दौरान भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय और छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के प्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय पर्यटन ढांचे पर अपनी महत्वपूर्ण प्रस्तुतियाँ साझा कीं। जिन्होंने यूएन बेस्ट टूरिज्म विलेज अपग्रेड प्रोग्राम के माध्यम से स्थानीय हितधारकों को वह वैश्विक मंत्र दिया, जिससे धुड़मारास जैसे गांवों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम की श्रेणी में लाया जा सके।

प्राकृतिक रंगों से महकेगी होली : सांसद ने बिहान की दीदियों द्वारा निर्मित 'हर्बल गुलाल' को सराहा

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर। होली के पावन पर्व पर रंगों के उत्सव को सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए सरगुजा जिले के 'बिहान' (राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन) के तहत स्व-सहायता समूह की महिलाएं इस वर्ष भी भारी मात्रा में हर्बल गुलाल तैयार कर रही हैं। सांसद ने महिलाओं के इस इको-फ्रेंडली रंगों की सराहना करते हुए नगर वासियों से स्वदेशी और प्राकृतिक रंगों के साथ होली मनाने की अपील की है।

बिहान योजना अंतर्गत कार्यरत अम्बिकापुर विकासखण्ड के राधे कृष्ण स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी हर्बल गुलाल का निर्माण किया जा रहा है। समूह की महिलाएं गेंदे के फूल, पलाश के फूल, चुकंदर, पालक भाजी, हल्दी, चंदन, बेसन सहित अन्य प्राकृतिक सामग्री से रंग तैयार कर रही हैं। इन रंगों के निर्माण में किसी भी प्रकार के रासायनिक पदार्थ का उपयोग नहीं किया जा रहा है, जिससे यह पूर्णत: प्राकृतिक एवं सुरक्षित है। सांसद महोदय ने बिहान की महिलाओं के कार्यों का अवलोकन कर उनकी हौसला अफ़ज़ाई की। उन्होंने संदेश दिया कि इस होली अपने परिवार और मित्रों के साथ सुरक्षित रंगों का ही उपयोग करें। उन्होंने कहा कि इन उत्पादों को खरीदकर हम न केवल अपनी त्वचा की रक्षा करते हैं, बल्कि ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर भी बनाते हैं। त्वचा के अनुकूल 100% प्राकृतिक होने के कारण त्वचा के लिए पूरी तरह सुरक्षित। एलर्जी मुक्त: केमिकल रहित होने से आंखों और त्वचा में जलन या इरिटेशन का खतरा नहीं। सुगम उपयोग: इसे उपयोग के बाद आसानी से धोया जा सकता है। पर्यावरण हितैषी मिट्टी और जल को प्रदूषित नहीं करता। बिहान योजना के तहत महिलाओं द्वारा बनाया गया यह गुलाल न केवल सुरक्षित त्यौहार का संदेश दे रहा है, बल्कि 'वोकल फॉर लोकल' के संकल्प को भी मजबूत कर रहा है।

आर्थिक अभाव प्रतिभा की राह में नहीं बनेगा बाधा, कला-संस्कृति को मिलेगा नया आयाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक एवं सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और प्रतिभाशाली युवाओं को प्रोत्साहन देने की दिशा में संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ ने अर्थाभावग्रस्त होनहार युवा कलाकारों एवं विद्यार्थियों के लिए वर्ष 2026-27 की छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत प्रविष्टियां आमंत्रित की हैं। इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली युवाओं को कला के क्षेत्र में प्रशिक्षण एवं उच्च शिक्षा के लिए आवश्यक आर्थिक सहयोग प्रदान करना है।

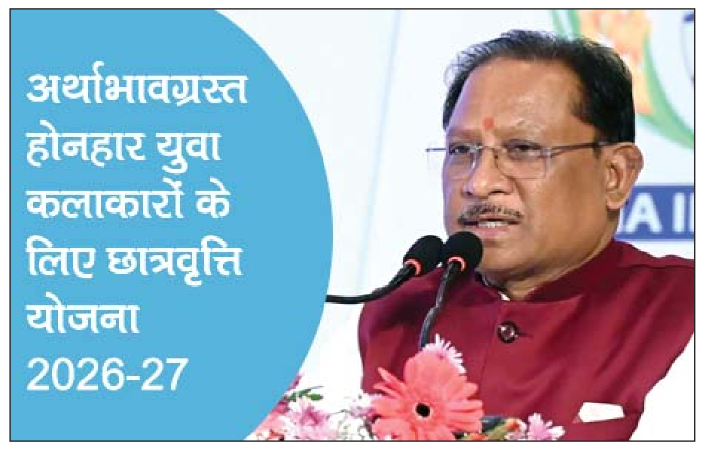

प्रविष्टियां निर्धारित प्रारूप में पूर्ण दस्तावेजों सहित पंजीकृत डाक के माध्यम से 20 मार्च 2026 तक आमंत्रित की गई हैं। राज्य सरकार का उद्देश्य है कि आर्थिक अभाव किसी भी प्रतिभाशाली युवा की प्रगति में बाधा न बने। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक एवं जनजातीय सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और संवर्धित करने की दिशा में यह छात्रवृत्ति योजना एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल न केवल युवा कलाकारों को आर्थिक संबल प्रदान करेगी, बल्कि प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में भी सहायक सिद्ध होगी।

विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार छात्रवृत्ति प्रोत्साहन हेतु विभिन्न विद्याएं एवं उपविद्याएं निर्धारित की गई हैं। लोक एवं पारंपरिक जनजातीय कलाओं के अंतर्गत छत्तीसगढ़ की समस्त पारंपरिक जनजातीय एवं लोक नृत्य, नृत्य-गीत, लोकसंगीत, पारंपरिक खेल, वाद्य, पंडवानी, ददरिया, करमा, सुवा, राउत नाचा, गोंडी सहित अन्य जनजातीय गायन-वादन एवं लोक परंपराएं सम्मिलित हैं। शास्त्रीय संगीत में हिंदुस्तानी एवं कर्नाटक (गायन/वादन) मान्य हैं। शास्त्रीय नृत्य में भरतनाट्यम, कथक, कुचिपुड़ी, मोहिनीअट्टम, ओडिसी, मणिपुरी, कथकली आदि विधाएं शामिल हैं। रंगमंच के अंतर्गत हिंदी एवं छत्तीसगढ़ी नाटक तथा अन्य लोक-जनजातीय नाट्य विधाएं सम्मिलित की गई हैं। दृश्य कला में ग्राफिक्स, मूर्तिकला, पेंटिंग, फोटोग्राफी, मृद्भांड (सेरामिक्स) एवं लोक-जनजातीय चित्रांकन परंपराएं शामिल हैं। इसके अतिरिक्त सुगम शास्त्रीय संगीत की विधाएं जैसे ठुमरी, दादरा, टप्पा, भजन, ग़ज़ल एवं कव्वाली भी मान्य हैं।

योजना के लिए पात्रता एवं सामान्य शर्तें भी निर्धारित की गई हैं। आवेदक छत्तीसगढ़ का मूल निवासी होना चाहिए तथा चिन्हारी पोर्टल में पंजीयन अनिवार्य है। आवेदक की आयु 15 वर्ष से कम और 30 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। आवेदक अथवा उसके माता-पिता/अभिभावक की वार्षिक आय 72,000 रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। आवेदन केवल निर्धारित प्रारूप में ही स्वीकार किए जाएंगे। चयनित विद्यार्थियों को नियमानुसार मासिक छात्रवृत्ति प्रोत्साहन राशि 5,000 रुपये से 10,000 रुपये तक प्रदान की जाएगी, जो डीबीटी/ई-पेमेंट के माध्यम से सीधे खाते में अंतरित होगी। आवेदन स्वीकार करने की अंतिम तिथि 20 मार्च 2026 निर्धारित की गई है। लिफाफे पर स्पष्ट रूप से अर्थाभावग्रस्त होनहार युवा कलाकारों/छात्रों के लिए छात्रवृत्ति योजना 2026-27 अंकित करना अनिवार्य होगा। विलंब से प्राप्त अथवा अपूर्ण आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी विभागीय वेबसाइट www.cgculture.in पर उपलब्ध है।

राज्य सरकार का मानना है कि कला केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज की आत्मा है। लोक और जनजातीय परंपराओं से समृद्ध छत्तीसगढ़ में युवाओं को प्रोत्साहन देना सांस्कृतिक संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कला केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज की आत्मा है। छत्तीसगढ़ की लोक परंपराएं, जनजातीय संस्कृति, लोकनृत्य, पंथी, राउत नाचा, भरथरी, करमा जैसे लोक रूप प्रदेश की पहचान हैं। ऐसे में युवा कलाकारों को प्रोत्साहन देना सांस्कृतिक संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस योजना के माध्यम से न केवल कलाकारों को आर्थिक संबल मिलेगा, बल्कि प्रदेश में सांस्कृतिक गतिविधियों को भी नया आयाम प्राप्त होगा। यह पहल 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना को साकार करते हुए यह संदेश देती है कि प्रतिभा किसी संसाधन की मोहताज नहीं होती अपितु उसे केवल अवसर और प्रोत्साहन की आवश्यकता होती है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा लगातार कला, संस्कृति और युवाओं के सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों की कड़ी में यह छात्रवृत्ति योजना एक और महत्वपूर्ण कदम है, जो प्रदेश को सांस्कृतिक रूप से और अधिक समृद्ध एवं सशक्त बनाने में सहायक सिद्ध होगी। यह छात्रवृत्ति योजना आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभाओं को संबल प्रदान करते हुए प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को सशक्त और समृद्ध बनाने में मील का पत्थर साबित होगी।

अंतागढ़ में श्रमिक सम्मेलन आयोजित, जिले के 7930 श्रमिकों को किया गया लाभान्वित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन श्रम विभाग के निर्देशानुसार श्रमिक सम्मेलन-2026 का आयोजन उत्तर बस्तर कांकेर जिले के सामुदायिक भवन अंतागढ़ में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में लोकसभा क्षेत्र कांकेर के सांसद श्री भोजराज नाग उपस्थित थे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पंचायत अंतागढ़ के अध्यक्ष श्री राधेलाल नाग द्वारा की गई। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल एवं छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल के अन्तर्गत विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं से जिले के श्रमिक व उनके परिवार के सदस्यों को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डी.बी.टी.) के माध्यम से राशि हस्तांतरित कर लाभान्वित किया गया।

श्रमिक सम्मेलन में उपस्थित सांसद नाग ने सभी उपस्थित श्रमिकों और उनके परिजनों को विभाग में संचालित योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। साथ ही योजनाओं के संबंध में जागरूक होने की बात कही। नगर पंचायत अध्यक्ष श्री नाग ने भी श्रमिकों को संबोधित करते हुए शासन द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों का अधिक से अधिक लाभ उठाने की बात कही। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों के द्वारा लाभार्थी श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं के तहत चेक वितरित किए गए।

श्रम पदाधिकारी ने जानकारी दी है कि श्रमिक सम्मेलन में जिले के कुल 7930 श्रमिकों को कुल 02 करोड़ 29 लाख 17 हजार 100 रूपये से लाभान्वित किया गया, जिसमें छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल अंतर्गत मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना में 101 हितग्राहियों को 20 लाख 20 हजार रूपए, मिनीमाता महतारी जतन योजनांतर्गत 89 महिला हितग्राहियों को 17 लाख 80 हजार रूपए, मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना में 50 हितग्राहियों को 02 लाख 59 हजार 100 रूपये, मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजनांतर्गत 28 हितग्राहियों को 05 लाख 60 हजार रूपये, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के तहत 19 श्रमिकों के उत्तराधिकारियों को 01 करोड़ 90 लाख रूपये एवं मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजनांतर्गत 04 श्रमिकों को 04 लाख रूपए, 01 लाख रूपये डायरेक्ट बेनीफिट ट्रान्सफर (डी.बी.टी.) के माध्यम से प्रदाय किया गया।

प्रशासन की संवेदनशील पहलः पिता बने विधिक अभिभावक, दिव्यांग पुत्र को मिलेगा लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिले के बी.एस.यू.पी. कॉलोनी, मठपुरैना निवासी धानू महत के समर्पण और प्रशासन की तत्पर पहल से उनके दिव्यांग पुत्र जय महत को विधिक संरक्षण मिल गया है। इस निर्णय से जय की बंद दिव्यांग पेंशन पुन: प्रारंभ होने तथा अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ मिलने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। समिति द्वारा की गई अनुशंसा को समिति के अध्यक्ष एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने अनुमोदित किया, जिसके बाद धानू महत को उनके पुत्र का विधिक अभिभावक नियुक्त किया गया। जय महत गंभीर बौद्धिक दिव्यांगता से पीड़ित हैं और अपने दैनिक जीवन के सभी कार्यों के लिए अपने पिता पर पूर्णत: निर्भर हैं।

सीमित आर्थिक संसाधनों के बीच धानू महत वर्षों से अपने पुत्र की सेवा और देखभाल कर रहे हैं। विधिक अभिभावक नियुक्त नहीं होने के कारण जय को मिलने वाली 500 रुपये प्रतिमाह की दिव्यांग पेंशन भी पिछले एक वर्ष से बंद थी, जिससे परिवार की परेशानी और बढ़ गई थी। अपने पुत्र के भविष्य को सुरक्षित करने और पेंशन पुन: प्रारंभ कराने के उद्देश्य से धानू महत ने विधिक अभिभावकता हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय न्यास अधिनियम 1999 की धारा 13(2) के अंतर्गत गठित लोकल लेवल कमेटी, जिला रायपुर ने इस प्रकरण को गंभीरता से लिया। कार्यालय संयुक्त संचालक, समाज कल्याण, जिला रायपुर में प्रस्तुत आवेदन पर अरविंद गेडाम के निर्देशानुसार समिति के सदस्य सिम्मी श्रीवास्तव, कोऑर्डिनेटर ऋ्श आकांक्षा लॉयन्स इंस्टिट्यूट ऑफ लर्निंग एण्ड एम्पावरमेंट, अवंति विहार, रायपुर, स्थायी समिति की दिव्यांग सदस्य विनिता शर्मा द्वारा 11 फरवरी 2026 को स्थल निरीक्षण किया गया तथा कानूनी सलाहकार जगदीश प्रसाद अग्रवाल द्वारा सूक्ष्म निरीक्षण में पाया गया कि जय वास्तव में गंभीर बौद्धिक दिव्यांगता से पीड़ित हैं और पूर्णत: अपने पिता पर आश्रित हैं। इस निर्णय से जय महत को विधिक सुरक्षा प्राप्त होने के साथ-साथ उनकी दिव्यांग पेंशन पुन: प्रारंभ करने और विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। यह पहल प्रशासन की संवेदनशीलता और दिव्यांगजनों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिससे जरूरतमंद परिवारों को नई आशा और संबल मिल रहा है।

सब्सिडी से सोलर पैंनल लगाना हुआ आसान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर।प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत 3 किलोवाट तक के रूफटॉप सोलर सिस्टम पर 60 प्रतिशत तक या 1 लाख 8 हजार की सब्सिडी मिलती है। इस योजना के तहत घरों को हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान करने का लक्ष्य है, जिसके लिए आधिकारिक वेबसाइट पर आवेदन करना होता है। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के लिए लोगों में लगातार रूझान बढ़ रहा है।

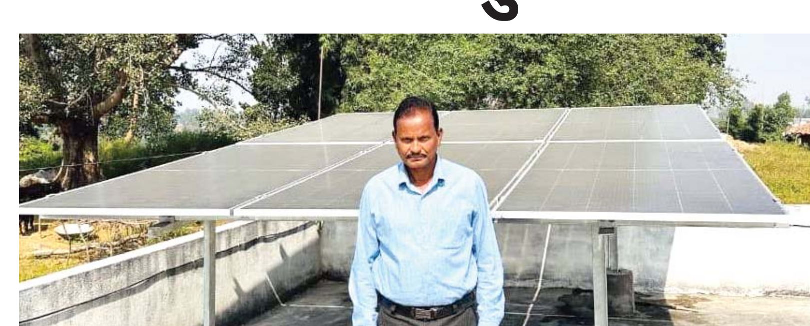

इसी कड़ी में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से जिले के बलरामपुर जिला के राजपुर विकासखंड के चरगढ़ निवासी भूखनारायण सिंह का घर जगमग हो रहा है। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से प्रभावित होकर श्री सिंह ने अपने घर में 3 किलोवाट का रूफटॉप सोलर पैनल लगवाया है, जिससे उनका बिजली का बिल कम हो गया है। उन्होंने बताया कि घर में बिजली के उपयोग के आधार पर पहले प्रतिमाह हजारो रूपए बिजली का बिल आता था। जो कि अब कम हो गया है। भूख नारायण सिंह ने बताया कि रूफटॉप सोलर पैनल लगवाने में लगभग 2 लाख रुपए की लागत आयी है। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत केंद्र सरकार द्वारा 78 हजार रुपए तथा राज्य शासन द्वारा 30 हजार रुपए की सब्सिडी मिली है। इस प्रकार कुल 1 लाख 8 हजार रुपए की सब्सिडी मिली है। शेष राशि के लिए बैंक फाइनेंस की सुविधा मिली है। बैंक फाइनेंस बहुत ही आसान किस्तों में हुआ है।

श्री सिंह प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेकर घरों पर रूफ्टॉप सोलर प्लांट लगवाने के लिए अन्य लोगों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। साथ ही प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की जानकारी लोगों को दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस योजना से बार-बार बिजली बंद होने की समस्या से निजात मिली है, जिसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया।

प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति की बैठक

कुल 10 प्रकरणों पर की गई समीक्षा एवं सुनवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति की महत्वपूर्ण बैठक आदिम जाति अनुसंधान एक प्रशिक्षण संस्थान के सभाकक्ष, नवा रायपुर में संपन्न हुई। बैठक में कुल 10 प्रकरणों की समीक्षा एवं सुनवाई की गई।

इनमें जाति जांच प्रकरण से संबंधित 08 प्रकरणों में पक्षकार समिति के समक्ष उपस्थित हुए। 04 प्रकरणों में गुण-दोष के आधार पर विनिश्चय किए जाने का निर्णय करते हुए आदेश जारी करने के निर्देश दिए गए। इनमें एक डीजे स्तर के अधिकारी एवं एक ग्रामीण विकास विभाग में ईएनसी स्तर के अधिकारी भी शामिल हैं। 02 प्रकरणों में वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से सुनवाई की गई एवं पक्षकार को 10 दिवस के भीतर समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपने पक्ष में प्रमाणित दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। 01 प्रकरण में विजिलेंस टीम को दुबारा मौके पर जाकर सोशल स्टेटस एवं अन्य प्रमाणित तथ्यों की गहन जांच कर 45 दिवस के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। जबकि 03 प्रकरणों में जाति प्रमाण पत्र धारकों को सुनवाई का एक और अंतिम अवसर प्रदान करते हुए आगामी बैठक में उपस्थित होकर अपनी जाति के संबंध में प्रमाणित दस्तावेज प्रस्तुत करन के निर्देश दिए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति द्वारा नियमित अंतराल में बैठक आयोजित कर जाति प्रमाण पत्र एवं सामाजिक प्रस्थिति से संबंधी प्रकरणों का निपटारा किया जा रहा है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालय से संबद्ध प्रकरणों पर भी नियमानुसार पारदर्शी एक समयबद्ध तरीके से सुनवाई कर प्रकरणों का शीघ्र निपटारा किया जा रहा है। आज की बैक में बड़ी संख्या में पक्षकार एवं अधिवक्ता अपना पक्ष प्रस्तुत करने हेतु उपस्थित हुए।

बैठक में आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास डॉ. सारांश मित्तर (सदस्य), संचालक, आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान हिना अनिमेष नेताम (सदस्य सचिव), संचालक लोक शिक्षण संचालनालय ऋतुराज रघुवंशी (सदस्य), संचालक, भू अभिलेख, विनीत नदनवार, संयुक्त संचालक, टीआरटीआई गायत्री नेताम (प्रभारी अधिकारी, जाति जांच पकोष्ठ), रमा उइके (सदस्य), डॉ. अनिल विरूलकर (सदस्य) सहित, विजिलेंस टीम से एमानुअल लकड़ा (डीएसपी), जितेन्द्र गुप्ता एवं अंजनी भगत इत्यादि उपस्थित थे।

विदित हो माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश में दिये गये मार्गदर्शी निर्देश एवं छत्तीसगढ़ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (सामाजिक प्रास्थिति के प्रमाणीकरण का विनियमन) अधिनियम 2013 में विहित प्रावधानों के अंतर्गत कुल 07 सदस्यीय उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति का गठन किया गया है। समिति अर्द्ध न्यायिक स्वरूप में कार्य करते हुए निष्पक्ष एंव समयबद्ध निर्णय सुनिश्चित कर रही है।

महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए हुई कार्यशाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आज महिलाओं के सुरक्षा एवं संरक्षण को केंद्र में रखकर एक दिवसीय विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें कानूनी प्रावधानों और सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने पर व्यापक विमर्श हुआ। जिला पंचायत के सभागार में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी मनोज सिन्हा ने विभागीय समन्वय के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि यह कार्यशाला जिला पंचायत, पुलिस, श्रम और समाज कल्याण विभाग के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है, ताकि महिलाओं से संबंधित मुद्दों पर एक एकीकृत दृष्टिकोण अपनाया जा सके। कार्यशाला का मुख्य आकर्षण घरेलू हिंसा कानून, कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम और महिलाओं तथा बच्चों की ट्रैफिकिंग की रोकथाम जैसे संवेदनशील विषयों पर विस्तृत चर्चा रही। विशेषज्ञों ने प्रेजेन्टेशन के माध्यम से इन कानूनों की बारीकियों को प्रतिभागियों के समक्ष रखा।

इस महत्वपूर्ण सत्र में जेंडर मास्टर ट्रेनर, संगवारी जेंडर रिसोर्स सेंटर के कैडर, नारी अदालत समिति के सदस्य और सखी वन स्टॉप सेंटर सहित हब के उन अधिकारियों व कर्मचारियों ने हिस्सा लिया, जो सीधे तौर पर जमीनी स्तर पर महिलाओं की सहायता के लिए कार्यरत हैं। मानव तस्करी जैसे गंभीर मामलों में जीरो एफआईआर की प्रक्रिया पर प्रकाश डाला।

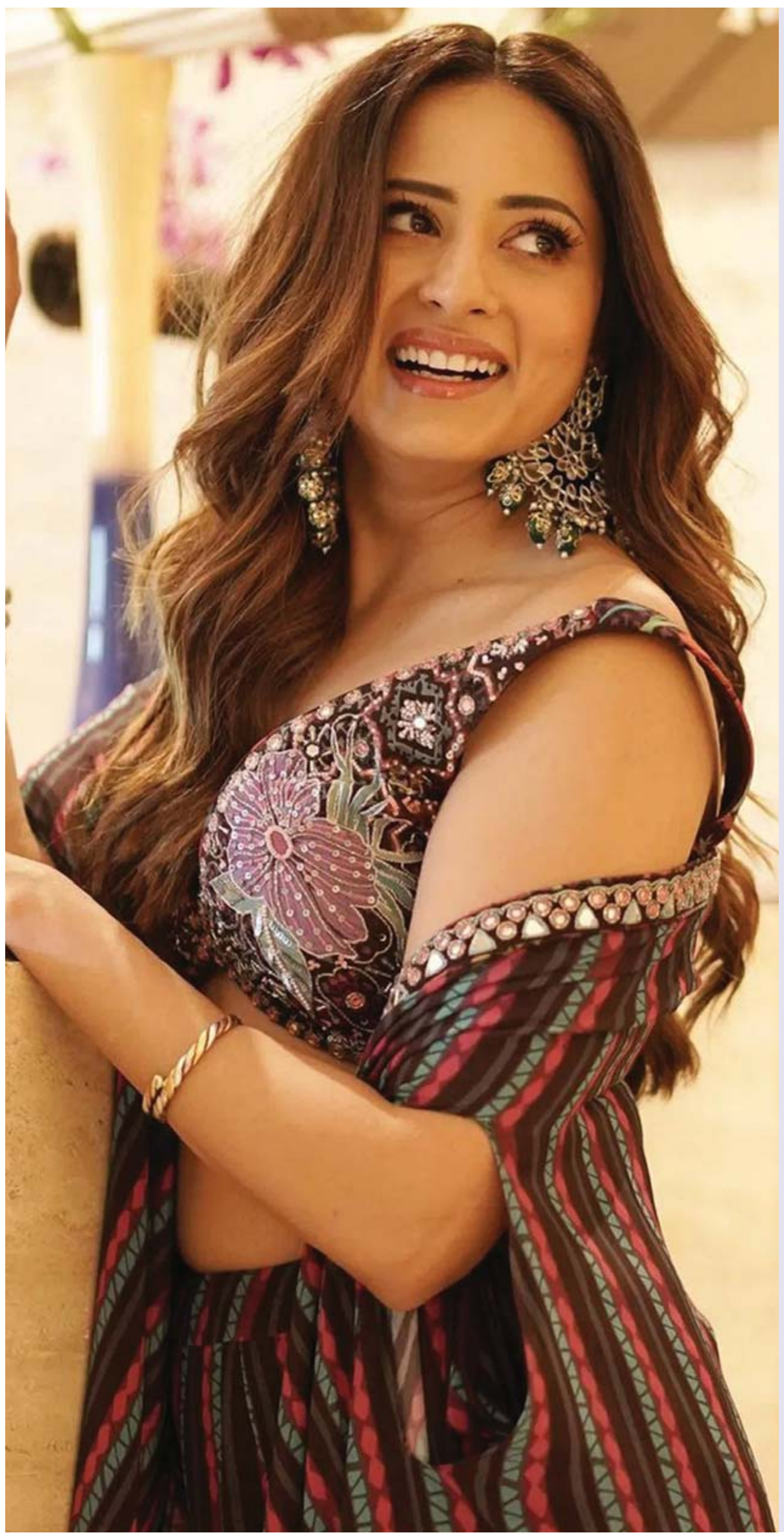

सरगुन मेहता ने प्रेग्नेंसी की खबरों पर लगाया विराम, अफवाह उड़ाने वालों की लगाई क्लास

सोशल मीडिया पर अक्सर सेलेब्रिटीज की निजी जिंदगी को लेकर बिना आधार की अफवाहें फैल जाती हैं, जो कि उनकी निजी जिंदगी को परेशान करने लगी हैं। ऐसा ही कुछ कई समय से टीवी-पंजाबी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री सरगुन मेहता और उनके पति रवि दुबे के साथ हो रहा था।

दरअसल, पिछले काफी समय से सोशल मीडिया पर लगातार यह खबरें फैल रही थीं कि सरगुन मेहता प्रेग्नेंट हैं। इन अफवाहों की वजह से फैंस में काफी उत्साह था, लेकिन कपल की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई। अभिनेत्री सरगुन ने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए इस मामले पर विराम लगा दिया है।

उन्होंने एक नोट शेयर किया, जिसमें अभिनेत्री ने खंडन करते हुए लिखा, अफवाह फैलाने वालों को तो पिछले 2 साल से मेरी प्रेग्नेंसी के बारे में मुझसे पहले ही सब पता चल जाता है। उनके अनुसार मैं पिछले 2 साल से प्रेग्नेंट हूं। भला, इतनी लंबी प्रेग्नेंसी किसी की होती भी है क्या?

अभिनत्री ने आगे लिखा, प्लीज शांत रहें और बिना किसी आधार की खबरें फैलाना बंद करें। कोई भी खबर फैलाने से पहले हमसे या हमारी टीम से एक बार पूछ लेना ज्यादा मुश्किल नहीं है, ताकि सही जानकारी सामने आ सके।

अभिनेत्री सरगुन मेहता ने नोट शेयर कर लिखा, आपको ऐसी प्रेग्नेंसी के बारे में कैसे पता चल गया, जिसके बारे में मुझे और रवि को ही कोई जानकारी नहीं है? प्लीज ऐसी अफवाहें फैलाना बंद करें।

अभिनेत्री के पोस्ट शेयर करने के बाद कई यूजर्स और दोस्तों ने प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री गौहर खान ने कमेंट बॉक्स में हाथ जोड़ते हुए प्रतिक्रिया दी, तो सरगुन के पति रवि दुबे ने लिखा, क्या कैप्शन है।

सेलेब्स को अपनी निजी जिंदगी को लेकर बार-बार ऐसे झूठे दावों का सामना करना पड़ता है। इससे पहले कई सेलेब्स इस तरह की झूठी अफवाहों का सामना कर चुके हैं। अभिनेत्री रीम शेख की भी शादी की खबरें उड़ी थीं। दरअसल, लाफ्टर ज्वाइन करने से पहले उनका नाम कंटेंट क्रिएटर कृष गुप्ता के साथ जुड़ा था। साथ ही, यह दावा भी किया गया था कि वे जल्द ही उनसे शादी करने वाली हैं। हालांकि, अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के जरिए इस पर प्रतिक्रिया दी थी।

फिल्म सूबेदार का पहला गाना लल्ला जारी, रौब जमाते अनिल कपूर का अंदाज देखने लायक

लल्ला एंथम-ए वार्निंग फ्रॉम सूबेदार को मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद, प्राइम वीडियो और टी-सीरीज ने आज अपनी आने वाली ओरिजिनल फिल्म सूबेदार के ऑफिशियल सॉन्ग वीडियो लल्ला को रिलीज कर दिया है। इस फिल्म में अनिल कपूर लीड रोल में हैं। यह गाना पूरी तरह से जोश और शानदार विजुअल्स से भरपूर है, जो सूबेदार अर्जुन मौर्य की ताकत, गर्व और उनके अटूट उसूलों को बखूबी दिखाता है।

रोहन-विनायक के म्यूजिक और ऋषि उपाध्याय के लिखे इस गाने को विशाल ददलानी ने अपनी आवाज दी है। यह ट्रैक फिल्म की कहानी के बीच चल रहे तनाव और टकराव को एक म्यूजिकल मुकाबले के जरिए पेश करता है। वैसे भी सूबेदार में अनिल कपूर सनी देओल जैसा एक्शन दिखा रहे हैं।

लल्ला गाने की धुन और उसकी रफ्तार पर्दे पर बढ़ते तनाव को बखूबी दिखाती है, जिसमें फिल्म के कुछ दमदार और रफ-टफ सीन्स की झलकियां भी देखने को मिलती हैं। वीडियो में आदित्य रावल, सौरभ शुक्ला, फैसल मलिक, मोना सिंह और राधिका मदान के किरदारों की प्रभावशाली झलकियां दिखाई गई हैं, जो सूबेदार अर्जुन मौर्य (अनिल कपूर) की कहानी और उनके इमोशनल सफर को और भी गहरा बनाती हैं।

लल्ला सॉन्ग के सिंगर विशाल ददलानी ने कहा, जब लल्ला पहली बार एंथम के तौर पर आया था, तो लोग इसकी एनर्जी से तुरंत जुड़ गए थे। लेकिन एक पूरे गाने के रूप में यह और भी गहरा है, और मुझे इसकी सधी हुई इंटेंसिटी ने सबसे ज्यादा प्रभावित किया। यह अपनी जगह पर डटे रहने और अपनी पहचान बनाए रखने की भावना को समेटे हुए है। रिकॉर्डिंग के दौरान, मैं चाहता था कि मेरी आवाज उस मजबूती और संकल्प से मेल खाए, जो अनिल सर स्क्रीन पर लेकर आए हैं। यह गाना उसी भरोसे को दिखाता है, यह जितना दबदबे के बारे में है, उतना ही अंदरूनी ताकत के बारे में भी है।

सूबेदार का प्रीमियर 5 मार्च को खास तौर पर प्राइम वीडियो इंडिया पर होने जा रहा है। यह फिल्म भारत के साथ-साथ दुनिया भर के 240 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में रिलीज की जाएगी।

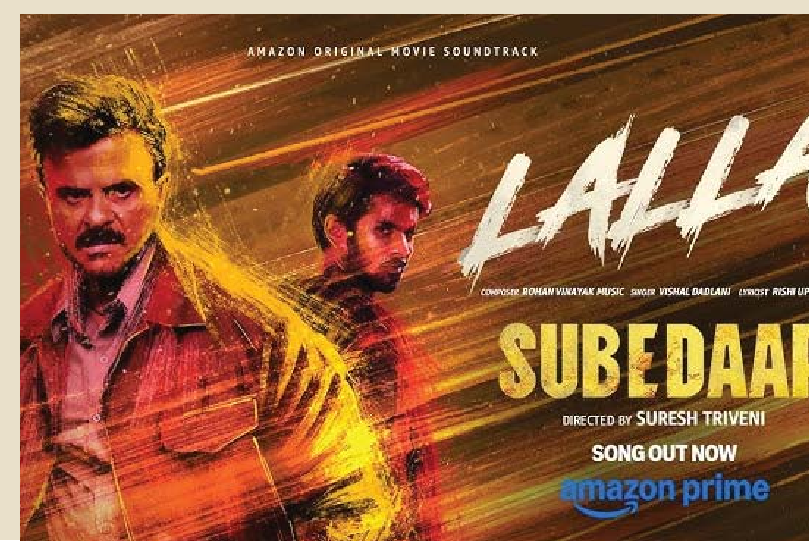

दिव्या दत्ता की चिरैया का टीजर आउट, घर में होने वाले अन्याय पर उठाएगी सवाल

दिव्या दत्ता की नई वेब सीरीज चिरैया का टीजर आ गया है। यह टीजर भारतीय घरों में होने वाले अन्याय पर सवाल उठाता है। जानें कहां देख सकेंगे सीरीज।

कुछ ही देर पहले नई सीरीज चिरैया का टीजर रिलीज हुआ है। इस सीरीज की शुरुआत एक शादी के खुशी भरे मंजर से होती है। एक नई दुल्हन, पूजा, बेहतर जिंदगी की उम्मीद के साथ नया जीवन शुरू करती दिखती है। लेकिन अचानक एक डरावना मोड़ सामने आता है, जिसमें दुल्हन को छत पर उदास और सदमे में दिखाया जाता है। उसके चेहरे पर आंसू हैं और शरीर पर चोट के निशान दिखते हैं। जिसे देखकर दिव्या दत्ता भी चौंक जाती हैं। सीरीज की कहानी के बारे में बता करें तो यह शादी के जश्न के पीछे एक कड़वी सच्चाई के बारे में है। यह सीरीज सवाल उठाती है कि क्या शादी के बाद अगर पति अपनी पत्नी पर किसी भी तरह का दबाव डाले, तो क्या यह सही है? शादी कोई लाइसेंस नहीं है और हर बार चुप रहना का मतलब हां नहीं होता।

रिपोर्ट के अनुसार, अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने चिरैया को लेकर कहा कि इस किरदार को निभाते हुए उन्हें रिश्तों की कड़वी हकीकत का सामना करना पड़ा। उन्होंने बताया, हम अक्सर रिश्ते बचाने या शांति बनाए रखने के नाम पर खुद को चुप कर लेते हैं। शादी को बिना सवाल किए सहमति मान लिया जाता है और त्याग को इतना रोमांटिक बना दिया जाता है कि दर्द गायब हो जाता है। यह कहानी सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हम गलत को देखकर चुप रहें या सही के लिए आवाज़ उठाएं।

चिरैया वेब सीरीज शशांत शाह के निर्देशन में बनी है और एसवीएफ एंटरटेनमेंट ने इसे बनाया है। इसमें दिव्या दत्ता के अलावा संजय मिश्रा, सिद्धार्थ शॉ, प्रसन्ना बिष्ट, फैसल राशिद, टीनू आनंद, सरिता जोशी जैसे कलाकार हैं। चिरैया जल्द ही जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

इन होम्योपैथिक नुस्खों से जड़ से खत्म होगा दांत का दर्द

हम में से कई लोग अपनी जिदंगी में कभी न कभी दांत में दर्द से परेशान जरूर होते हैं। दांत में दर्द को नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता है। अगर ऐसा करने की कोशिश भी करें तो असहनीय दर्द जीना मुश्किल कर देता है। दांत में दर्द की वजह से खाना और यहां तक कि बात करना या काम कर पाना भी मुश्किल हो जाता है।

ये एक आम समस्या है जो कभी न कभी हर इंसान को परेशान जरूर करती है। हालांकि, हर किसी को अलग-अलग वजहों से दांत में दर्द की शिकायत हो सकती है। किसी को दांत में कीड़ा लगने तो किसी को मसूड़ों में सूजन की वजह से दांत में दर्द हो सकता है। दांत में दर्द को दूर करने के लिए आपने अब तक आयुर्वेदिक उपायों और घरेलू नुस्खों के बारे में पढ़ा और सुना होगा लेकिन आपको बता दें कि दांत में दर्द के लिए होम्योपैथिक नुस्खे भी मौजूद हैं। यहां हम आपको दांत में दर्द के कुछ कारगर होम्योपैथिक नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं।

सिलिसिया:- दांत की रूट में पस पड़ने के कारण दांत में दर्द होने की समस्या को दूर करने के लिए सिलिसिया बेहतरीन होम्योपैथिक दवा है। पस पड़ने के कारण मसूड़ों और गालों में सूजन से राहत दिलाने में भी सिलिसिया मददगार है।

स्टेफिसेग्रिया:- दांतों में सेंसिटिविटी के साथ-साथ कुछ भी खाने या पीने पर दांत में दर्द होने की समस्या को स्टेफिसेग्रिया से ठीक किया जा सकता है। स्टेफिसेग्रिया मसूड़ों से खून आने और अत्यधिक लार बहने की भी असरकारी दवा है।

प्लांटेगो:- दांत में दर्द से छुटकारा पाने के लिए प्लांटेगो बहुत लोकप्रिय दवा है। ये दांतों में सेंसिटिविटी का इलाज करने में भी उपयोगी है। दांत का दर्द जब बढ़ कर कानों तक पहुंच जाए तो इस दिक्कत को भी दूर करने में प्लांटेगो प्रभावी है। दांत में गंभीरता और इससे जुड़ी किसी स्वास्थ्य समस्या के आधार पर प्लांटेगो को लगाने या खाने के लिया दिया जा सकता है।

अर्निका:- दांत निकलवाने और दांतों की फिलिंग के बाद मसूड़ों में होने वाले दर्द के इलाज में होम्योपैथिक दवा अर्निका बहुत उपयोगी है। अर्निका दर्द निवारक दवा के रूप में काम करती है। विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के होम्योपैथी इलाज में अर्निका का इस्तेमाल किया जाता है।

मर्क सोल:- हैलिटोसिस (सांस की बदबू)और अत्यधिक लार आने की वजह से लगातार दांत में दर्द महसूस हो सकता है। मर्क सोल से इस परेशानी से निजात पाई जा सकती है। मसूड़ों से खून आने, दांतों में ढीलापन और सेंसिटिविटी को भी इस दवा से ठीक किया जा सकता है।

अगर आपको भी किसी न किसी वजह से दांत में दर्द की शिकायत रहती है तो होम्योपैथिक नुस्खों की मदद से आप इस समस्या से हमेशा के लिए छुटकारा पा सकते हैं। एक बात का ध्यान रखें कि किसी भी बीमारी या स्वास्थ्य समस्या के लिए अनुभवी होम्योपैथिक चिकित्सक की सलाह के बाद ही होम्योपैथिक दवा का सेवन करना चाहिए।

अभिनेत्री सम्युक्ता का सबसे दमदार रूप स्वयंभू के टीजऱ में वॉरियर अवतार ने मचाया तहलका

अपनी पिछली फिल्मों की कामयाबी पर सवार सम्युक्ता ने स्वयंभू के टीजऱ में ऐसा पावरफुल इम्पैक्ट छोड़ा है कि नजऱ हटाना मुश्किल हो जाए। इस बार वो नजऱ आती हैं एक भयंकर योद्धा के रूप में, जो अफरातफरी को चीरते हुए पूरे कॉन्फिडेंस और इंटेंसिटी के साथ आगे बढ़ती है। गूंथी हुई चोटी, युद्ध के लिए तैयार तेवर, और रफ-टफ योद्धा वेशभूषा में सम्युक्ता कच्ची ताकत और अटूट इरादे का प्रदर्शन करती दिखती हैं।

उनका किरदार शब्दों से नहीं, एक्शन से बोलता है और हर फ्रेम ये इशारा देता है कि वो अपने करियर के सबसे साहसी क्रिएटिव फेज़ में कदम रख चुकी हैं। ये भूमिका इसलिए भी खास लगती है क्योंकि इससे पहले उनका परफॉर्मेंस ट्रैक रिकॉर्ड बेहद मजबूत रहा है। भीमला नायक में उन्होंने अपनी दमदार मौजूदगी से सबको प्रभावित किया, बिम्बिसार में पौराणिक दुनिया को एक्सप्लोर किया, विरुपाक्ष में थ्रिल का तड़का लगाया और सर में जमीन से जुड़ा अभिनय पेश किया। अब स्वयंभू में ऐसा लगता है जैसे इन सभी अनुभवों का संगम दिख रहा हो और सम्युक्ता खुद का और भी ताकतवर संस्करण बनकर सामने आई हों।

टीजऱ में वो एक निडर और बेखौफ योद्धा के रूप में दिखती हैं, जो जेंडर की तय सीमाओं को चुनौती देते हुए तीखे एक्शन सीक्वेंस में कमान अपने हाथ में लेती है। कभी धनुष-बाण साधती हुई, तो कभी तलवार लहराती हुई — हर सीन इस बात का सबूत है कि इस किरदार के लिए उन्होंने जबरदस्त शारीरिक ट्रेनिंग और तैयारी की है।

सम्युक्ता कहती हैं, स्वयंभू मेरे दिल के बेहद करीब है क्योंकि मैंने हमेशा ऐसे किरदार चुने हैं जो मुझे मेरे कम्फर्ट ज़ोन से बाहर ले जाएं। इस भूमिका ने मुझे शारीरिक और मानसिक, दोनों स्तर पर ऐसी चुनौती दी जैसा पहले कभी महसूस नहीं किया। एक गांव की महिला की आत्मा और शक्ति को समझने से लेकर घुड़सवारी और तीरंदाजी की कड़ी ट्रेनिंग तक, ये सफर बेहद गहन और परिवर्तनकारी रहा। इस किरदार में वो सब कुछ है जिसका एक अभिनेता सपना देखता है — ताकत, संवेदनशीलता और एक मजबूत आवाज़।

इस उग्र योद्धा रूप में ढलना मेरे करियर के सबसे संतोष जनक अनुभवों में से एक रहा है। स्वयंभू के अलावा भी सम्युक्ता के पास कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स लाइनअप में हैं, जहां वो अपनी बढ़ती रेंज दिखाती नजर आएंगी। जल्द ही वो ब्लैक गोल्ड में एक सशक्त पुलिस अधिकारी के रूप में फिल्म को लीड करेंगी और साथ ही पुरी जगन्नाथ की स्लम डॉग में विजय सेतुपति और तब्बू के साथ स्क्रीन साझा करती दिखाई देंगी।

जतिन सरना की फिल्म ना जाने कौन आ गया का टीजर रिलीज, रिलीज तारीख भी जारी

सैफ अली खान की वेब सीरीज सेक्रेड गेम्स में नजर आ चुके अभिनेता जतिन सरना की आगामी फिल्म ना जाने कौन आ गया का टीजर जारी कर दिया गया है।

इसी के साथ फिल्म की रिलीज तारीख से पर्दा भी उठा दिया गया है। फिल्म का निर्देशन विकास अरोरा ने किया है, जबकि निर्माण विपुल धवन और पूजा अरोरा ने मिलकर किया है। फिल्म में मधुरिमा रॉय और प्रणय पचौरी भी मुख्य किरदार में हैं।

ना जाने कौन आ गया का टीजर 1 मिनट 10 सेकंड लंबा है जिसमें आज के समय के रिश्तों को टटोलती भावनाओं और एहसास को दर्शाया गया है। हाल ही में, निर्माताओं ने फिल्म का पोस्टर जारी किया था और अब टीजर जिसने फैंस को उत्साहित कर दिया है। फिल्म की शूटिंग उत्तराखंड की खूबसूरत जगहों पर की गई है, जिसमें भीमताल और नैनीताल शामिल हैं। यह फिल्म 6 मार्च, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है।

फिल्म रिश्तों की उस सच्चाई को दिखाती है जहां भरोसा कमजोर होता है, प्यार पजेशन में बदल जाता है और दिल टूटने के बाद इंसान खुद से भी दूर हो जाता है।

टीजर में आगे कई दमदार और भावुक सीन दिखते हैं. एक जगह मधुरिमा रॉय का किरदार पूछता है, क्या हम लोग सही कर रहे हैं इसके बाद कहानी तेजी से आगे बढ़ती है और प्यार, जुनून और गुस्से की टक्कर साफ दिखती है। इसमें रोमांटिक सीन, दुख भरे पल और झगड़े के दृश्य भी नजर आते हैं, जहां बदले की आग भी महसूस होती है। आखिर में प्रणय पचौरी माउथ ऑर्गन बजाते दिखते हैं और अचानक जतिन सरना माचिस से एक बड़े झूले को आग लगा देते हैं, जिससे टीजर का अंत थोड़ा दर्द भरा और बेचैन करने वाला लगता है।

खास खबर

चौगेल पुनर्वास केंद्र में आत्मसमर्पित नक्सलियों ने हर्बल गुलाल निर्माण से लिखी कहानी

कांकेर। जीवन में सकारात्मकता और सृजनात्मकता से दूरगामी परिणाम मिलते हैं। कभी हिंसा की राह पर चलने वाले आत्मसमर्पित माओवादी अब नवाचार की ओर आगे बढ़ रहे हैं तथा विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण लेकर अपने भीतर छिपी प्रतिभा को निखार रहे हैं। भानुप्रतापपुर विकासखण्ड मुख्यालय से लगे ग्राम चौगेल (मुल्ला) स्थित पुनर्वास केंद्र आज सकारात्मक परिवर्तन और आत्मनिर्भरता का प्रेरक उदाहरण बनकर सामने आया है। यहां पुनर्वासित आत्मसमर्पित माओवादियों द्वारा प्राकृतिक और हर्बल गुलाल का निर्माण किया जा रहा है, जो उनके जीवन में नई आशा और सम्मान का संचार कर रहा है। एक समय मुख्यधारा से भटके ये युवा अब शासन की पुनर्वास नीति और जिला प्रशासन के सहयोग से जुड़ चुके हैं। इसके तहत उन्हें विभिन्न स्वरोजगारमूलक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया, जिनमें से एक हर्बल उत्पाद निर्माण विशेष रूप से शामिल है। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पलाश के फूल, मेंहदी, हल्दी, सिंदूर बीज, चुकंदर एवं अन्य प्राकृतिक वन उत्पादों से रसायनमुक्त और त्वचा के लिए सुरक्षित गुलाल तैयार किया जा रहा है।

शत-प्रतिशत यू-डाईस, अपार आईडी व एमबीयू पूर्णता पर कलेक्टर ने दिए निर्देश

कोरिया। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर चंदन त्रिपाठी की अध्यक्षता में जिले के समस्त अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों एवं प्रधानपाठकों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में अशासकीय विद्यालयों की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि अध्यापन कार्य छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम एवं एन.सी. ई.आर.टी. की निर्धारित पुस्तकों से ही सुनिश्चित किया जाए। साथ ही कक्षा 5वीं एवं 8वीं की बोर्ड परीक्षाओं की सुदृढ़ तैयारी पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने यू-डाईस में शत-प्रतिशत प्रविष्टि, अध्ययनरत विद्यार्थियों के अपार आई.डी. की पूर्णता तथा एम.बी.यू. की 100 प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आर.टी.ई. के अंतर्गत चयनित बच्चों की शैक्षणिक उपलब्धियों की सतत मॉनिटरिंग पर भी जोर दिया गया। जिले में संकुल स्तर पर आधार अपडेशन शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि सभी विद्यार्थियों के नए आधार कार्ड बनाए जा सकें एवं त्रुटिपूर्ण प्रविष्टियों का सुधार हो सके। कलेक्टर ने सभी प्राचार्यों/प्रधानपाठकों को निर्देशित किया कि शिविरों में बच्चों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करें, जिससे शत-प्रतिशत एम.बी.यू. एवं अपार आई.डी. जनरेशन का लक्ष्य पूर्ण किया जा सके।

मोबाइल की रोशनी से जगमगाया ओपन एम्फीथिएटर, विकसित भारत के संकल्प को मिला जनसमर्थन

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरिया। कोरिया जिला में विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में विकसित भारत जी राम जी योजना (वी बी जी राम जी योजना) के तहत व्यापक जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया।

बैकुंठपुर जनपद पंचायत अंतर्गत सागरपुर

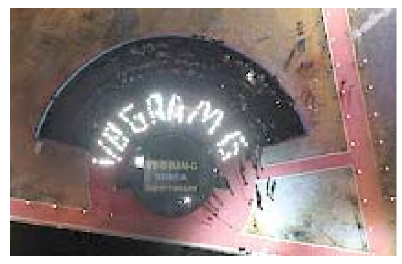

ग्राम पंचायत के नवनिर्मित बोट क्लब परिसर स्थित ओपन एम्फीथिएटर में आयोजित इस कार्यक्रम में ग्रामीणों, श्रमिकों की उल्लेखनीय सहभागिता देखने को मिली।कार्यक्रम का नेतृत्व कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने किया। उन्होंने कहा कि वी बी जी राम जी योजना ग्रामीण श्रमिकों को उनके अधिकारों के साथ आजीविका की गारंटी प्रदान कर आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त कदम है। 125 दिवसों का रोजगार मिलेगा। योजना के माध्यम से रोजगार सृजन, आर्थिक सशक्तिकरण और समग्र ग्रामीण विकास को नई गति मिलेगी।जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने उपस्थित ग्रामीणों को योजना के प्रमुख प्रावधानों, लाभों और क्रियान्वयन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी तथा अधिक से अधिक सहभागिता का आह्वान किया। उन्होंने कहा वी बी जी राम जी योजना गांव और ग्रामीणों को सशक्त करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करेगा।फ्लैश की रोशनी में दिखी एकजुटताकार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीणों एवं श्रमिकों ने अपने मोबाइल की फ्लैशलाइट जलाकर 'वी बी जी राम जी योजना' के समर्थन में अद्भुत दृश्य प्रस्तुत किया।

इस बार प्राकृतिक रंगों से रंगीन होगी होली

स्व सहायता समूह की महिलाएं कर रही है प्राकृतिक गुलाल का निर्माण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रंगों के त्योहार होली को स्वसहायता समूह की महिलाएं इस बार और खास बना रही है। होली के त्योहार को प्राकृतिक रंगों से मनाने के लिए महिलाएं हर्बल गुलाल बना रही है। गरियाबंद जिले के ग्राम सढ़ौली की राखी महिला ग्राम संगठन की 10 सक्रिय महिलाएँ राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के तहत हर्बल गुलाल का निर्माण कर आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन की मिसाल पेश कर रही हैं।

समूह की महिलाएं पलाश से पीला, चुंकदर से लाल और पालक के पत्तों से हरा रंग निकालकर मक्के की सूखी डंठल से प्राप्त अरारोट पाउडर में मिलाकर प्राकृतिक गुलाल का निर्माण कर रही है। इसमें हानिकारक रसायनिक तत्वों का बिल्कुल भी उपयोग नहीं किया जाता।

जिससे हर्बल गुलाल त्वचा एवं सेहत के लिए सुरक्षित रहता है। राखी महिला ग्राम संगठन की ये महिलाएँ न केवल होली के त्योहार को प्राकृतिक और सुरक्षित बना रही हैं, बल्कि अपनी आजीविका को भी मजबूत कर रही हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की ग्रामीण महिलाएँ आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन की नई कहानी लिख रही हैं।

यह पहल प्रदेश में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम साबित हो रही है। कलेक्टर एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने इन महिलाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज महिलाएं स्वरोजगार सृजित कर आत्मनिर्भर बन रही है और समाज में अपनी अलग पहचान बना रही है। पीआरपी मीना साहू ने बताया कि पिछले वर्ष भी बिहान समुह के दीदियों द्वारा कुल 30 हजार रूपये से अधिक की बिक्री कर लगभग 10 हजार रूपये से अधिक की शुद्ध मुनाफा अर्जित की थी।

समूह की महिलाओं से चर्चा के फलस्वरूप पारंपरिक तरीकों से बनाए गए प्राकृतिक गुलाल से न केवल सेहत स्वस्थ रहेगा, बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी अनुकूल रहेगा। साथ ही महिलाओं के लिए आमदनी का नया स्रोत भी बन रहा है। पिछले वर्ष हर्बल गुलाल की मांग अधिक रही, जिसे देखते हुए इस बार महिलाओं ने रंग बनाना शुरू कर दिया है।

महिलाओं ने बताया कि गुलाल बनाने की प्रक्रिया पूरी तरह प्राकृतिक है। इसे तैयार करने में फूलों और पत्तियों का उपयोग किया जाता है, जिससे यह त्वचा के लिए सुरक्षित होता है। विभिन्न रंग बनाने के लिए प्राकृतिक सामग्रियों का उपयोग किया जाता है गुलाबी रंग के लिए चुकंदर और गुलाब की पंखुड़ियां, पीला रंग के लिए हल्दी और गेंदे के फूल, हरा रंग के लिए पालक व मेंहदी के पत्ते, नीला रंग के लिए अपराजिता के फूल और लाल रंग के लिए टेसू के फूलों का इस्तेमाल कर रही है।

पक्का घर का सपना हुआ पूरा- जीतन राम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पहले जहां मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करने वाले जीतन राम वर्षों से कच्चे मकान में रहते थे, जिससे परिवार को परेशानियों का सामना करना पड़ता था।

जीतन राम बताते हैं कि जब भी वे कर्रा से 8 किलोमीटर दूर राजपुर शहर खेती-बाड़ी के लिए जाते थे वहां पक्के मकानों को देखकर उनके मन में भी अपना पक्का घर बनाने की इच्छा होती थी। लेकिन आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण यह सपना पूरा नहीं हो पा रहा था। बलरामपुर जिला के राजपुर विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत कर्रा निवासी श्री जीतन राम प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ लेकर सुखमय जीवन बिता रहे हैं।

जीतन राम बताते हैं कि ग्राम पंचायत के सचिव एवं रोजगार सहायक के माध्यम से प्रधानमंत्री आवास योजना की जानकारी मिली। आवश्यक दस्तावेज जमा करने के बाद उनके नाम से आवास स्वीकृत हुआ और निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ। कुछ ही समय में उनका पक्का छत वाला मकान बनकर तैयार हो गया।

पक्का मकान मिलने के बाद जीतन राम और उनका परिवार बेहद खुश है। वे बताते हैं कि उन्हें उचित मूल्य की दुकान से नियमित राशन मिल रहा है। उनकी पत्नी को महतारी वंदन योजना के तहत प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता राशि प्राप्त हो रही है, जिससे परिवार का भरण-पोषण करना आसान हुआ है।

दिशा समिति की बैठक में विकास योजनाओं की गहन समीक्षा, जैविक खेती पर जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सूरजपुर जिला पंचायत सभाकक्ष में आज सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा समिति) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूर्व निर्देशों की समीक्षा के साथ विभिन्न विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की गई।

सांसद ने किसानों को जैविक खेती अपनाने के लिए प्रेरित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने रासायनिक खेती के दुष्प्रभावों का उल्लेख करते हुए कृषि एवं संबंधित विभागों को जैविक पद्धति के लाभों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। साथ ही किसानों को मिट्टी परीक्षण तथा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से जोड़ने की बात कही। बैठक में लोक निर्माण विभाग सहित प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना एवं मुख्यमंत्री सड़क योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन सड़कों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नियमित भौतिक परीक्षण पर जोर दिया गया। सांसद ने कहा कि प्रशासन के साथ जनप्रतिनिधि भी कार्यस्थल का निरीक्षण करें, ताकि सड़कों का निर्माण गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूरा हो सके।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की समीक्षा में बताया गया कि 72,357 स्वीकृत आवासों में से 60,236 पूर्ण हो चुके हैं। जिला 84 प्रतिशत पूर्णता के साथ राज्य में चौथे एवं संभाग में प्रथम स्थान पर है। पिछले दो वर्षों में 34,809 स्वीकृत आवासों में से 24,420 पूर्ण किए गए हैं। बैठक में अमृत मिशन, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), जल जीवन मिशन, महतारी वंदन योजना, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, खेलो इंडिया एवं प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना सहित अन्य योजनाओं की भी प्रगति की समीक्षा की गई।

अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचे और निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए।

गंगरेल बांध के सुदूर क्षेत्रों को पर्यटन मानचित्र पर लाने की पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। जिले की प्राकृतिक संपदा और जल संसाधनों से समृद्ध गंगरेल बांध के आसपास स्थित सुदूर एवं कम चर्चित क्षेत्रों को पर्यटन की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में जिला प्रशासन ने ठोस पहल प्रारंभ कर दी है।

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने आज नाव के माध्यम से डुबान क्षेत्र एवं दुर्गम ग्रामों का स्थल निरीक्षण कर वहां उपलब्ध प्राकृतिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक संभावनाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन किया तथा पर्यटन विकास के लिए आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर मिश्रा डुबान क्षेत्र के सटियारा ग्राम पहुंचे, जहां राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की स्मृति में निर्मित गांधी मंदिर का अवलोकन किया। उन्होंने मंदिर

परिसर में सामुदायिक भवन, संपर्क सड़क, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं के विकास हेतु प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि ऐतिहासिक एवं आस्था स्थलों का संरक्षण एवं सुव्यवस्थित विकास स्थानीय पर्यटन को नई पहचान दे सकता है। उन्होंने सटियारा ग्राम को ग्रामीण पर्यटन मॉडल के रूप में विकसित करने की संभावनाओं पर भी चर्चा की। उन्होंने कुछ तस्वीरें मोबाइल में कैद की। इसके पश्चात कलेक्टर तुमराबाहरा ग्राम पहुंचे, जो पूर्णतः मछुआरा समुदाय का गांव है। यहां की अधिकांश आबादी मत्स्याखेट एवं मछली विक्रय पर निर्भर है। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि इस ग्राम को मछुआरा गांव की थीम पर विकसित किया जाए। मछुआरों की पारंपरिक जीवनशैली, उपकरण, नौकायन पद्धति, स्थानीय व्यंजन एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का दस्तावेजीकरण कर इसे एक थीम आधारित पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाए। उन्होंने कहा कि इससे न केवल स्थानीय संस्कृति का संरक्षण होगा, बल्कि स्वरोजगार एवं आयवृद्धि के नए अवसर भी सृजित होंगे। आवश्यकतानुसार मत्स्य विभाग एवं ग्रामीण आजीविका मिशन के समन्वय से प्रशिक्षण एवं विपणन सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने इसके उपरांत राम टेकरी का निरीक्षण किया, जो ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व के राम वन पथ गमन मार्ग में स्थित है। यहां उपलब्ध प्राचीन शिलाचित्रों एवं अवशेषों का अवलोकन करते हुए उन्होंने इसे संरक्षित कर पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के निर्देश दिए।

पीएम राहत योजना के तहत सड़क दुर्घटना पीड़ितों को कैशलेस उपचार की सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सभी राज्यों के परिवहन और स्वास्थ्य मत्रियों के साथ पीएम राहत योजना की बैठक ली। इस बैठक में परिवहन मंत्री केदार कश्यप और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल वर्चुअल रूप से शामिल हुए और अपने सुझावों को रखा। बैठक में बताया गया कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा संचालित पीएम राहत योजना के अंतर्गत अब दुर्घटना पीड़ितों को गोल्डन ऑवर में त्वरित और कैशलेस उपचार की सुविधा प्रदान की जा रही है।

विशेषज्ञों के अनुसार दुर्घटना के बाद पहले एक घंटे के भीतर यदि पीड़ित को अस्पताल में भर्ती कराया जाए तो मृत्यु की संभावना 50 प्रतिशत तक कम हो सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए यह योजना प्रभावी रूप से लागू की गई है।

इस योजना के तहत भारत में कहीं भी मोटर वाहन से संबंधित सड़क दुर्घटना होने पर पीड़ित को तत्काल निकटतम सूचीबद्ध अस्पताल में भर्ती कराया जाएगा। यह उपचार आयुष्मान भारत (एबी-पीएम-जेएवाई) के अंतर्गत पंजीकृत अस्पतालों में उपलब्ध होगा। पीड़ित या उसके परिजनों से किसी प्रकार का अग्रिम भुगतान नहीं लिया जाएगा।

अस्पताल में प्रवेश एवं पंजीकरण

पीएम राहत योजना के तहत अस्पताल द्वारा पीड़ित की पहचान सत्यापित कर 24 घंटे के भीतर उसे टीएमएस 2.0 पोर्टल पर पंजीकृत किया जाता है।

उपचार की व्यवस्था

बैठक में केंद्रीय अधिकारियों ने जानकारी दी कि योजना के अंतर्गत दुर्घटना की तिथि से अधिकतम 7 दिनों तक ट्रॉमा/पॉलीट्रॉमा पैकेज के अंतर्गत 1.50 लाख रुपये तक का कैशलेस उपचार उपलब्ध कराया जाता है।

रिपोर्टिंग एवं सत्यापन

अस्पताल द्वारा 24 घंटे के भीतर स्थानीय पुलिस को सूचना दी जाती है तथा दुर्घटना का विवरण इलेक्ट्रॉनिक विस्तृत दुर्घटना रिपोर्ट प्रणाली में दर्ज किया जाता है।

दावा प्रसंस्करण एवं भुगतान

अस्पताल द्वारा दावा राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के पोर्टल पर प्रस्तुत किया जाता है। स्वीकृत राशि का भुगतान मोटर वाहन दुर्घटना कोष से किया जाता है।

योजना के मुख्य बिंदु

परिवहन मंत्री श्री केदार कश्यप ने बताया कि प्रति पीड़ित, प्रति दुर्घटना अधिकतम 7 दिनों तक 1.50 लाख रुपये तक की सहायता, मोटर वाहन से जुड़ी सभी सड़क दुर्घटनाओं पर लागू होगी तथा पूर्णतः कैशलेस सुविधा और प्रदेश में योजना के सुचारु क्रियान्वयन हेतु सभी 33 जिलों के कलेक्टरों के लिए रिजर्व बैंक में खाते खोले जा चुके हैं तथा टीएमएस और पीएफएमएस के माध्यम से सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। यह योजना सड़क दुर्घटना पीड़ितों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने और उनकी जान बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर परिवहन सचिव श्री एस. प्रकाश भी उपस्थित रहे।

कुपोषण मुक्ति के लिए समन्वय के साथ कार्य करें : कलेक्टर लंगेह

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक आज कलेक्टर विनय कुमार लंगेह की अध्यक्षता में जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित किया गया। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न योजनाओं, पोषण अभियान, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं तथा वजन त्यौहार की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ हेमंत नंदनवार सहित जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर लंगेह ने बैठक में समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि वजन त्यौहार के दौरान प्राप्त आंकड़ों की शत-प्रतिशत सही एंट्री पोषण ट्रैकर में सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य कुपोषण को जड़ से खत्म करना है। इसके लिए स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग समन्वय करते हुए उत्कृष्ट कार्य करें। सीडीपीओ एवं सुपरवाइजर को प्रो-एक्टिव होकर कार्य करने प्रोत्साहित करते हुए कहा कि प्रत्येक माह कम से कम एक बार ब्लॉक स्तर पर स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग की संयुक्त बैठक अनिवार्य रूप से आयोजित की जाए।

ताकि स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय से कार्य किया जा सके। बैठक में सीडीपीओ को हर माह फॉलो-अप सिस्टम विकसित कर सुपरवाइजरों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए गए। सुपरवाइजरों को नियमित रूप से आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण करने एवं रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कमजोर केंद्रों का चिन्हांकन कर जिला अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपने कहा।

खास खबर

कैफे का ताला तोड़कर चोरों ने नकदी की पार

कोरबा। कोरबा बुधवारी बायपास रोड स्थित साडा अड्डा कैफे का ताला तोड़कर चोरों ने सामान समेत काउंटर में रखे 10 हजार नकदी रकम को पार कर दिया है। रोज की तरह गुरुवार की सुबह सफाई कर्मी के दुकान पहुंचने पर ताला टूटा और शटर आधा खुला हुआ देखा। इसके बाद कैफे संचालक को सूचना दी। मानिकपुर चौकी पुलिस की टीम ने घटनास्थल का मुआयना किया। चोरों की धरपकड़ के लिए पुलिस ने खोजी डॉग बाघा की मदद भी ली। मानिकपुर चौकी क्षेत्र के बुधवारी बायपास सड़क पर साडा अड्डा कैफे का संचालक लक्ष्मण श्रीवास के पहुंचने पर दुकान के भीतर का सामान बिखरा पड़ा था। कैश काउंटर में रखे नगदी रकम व सिगरेट समेत अन्य सामान की चोरी कर लिया था। संचालक ने चोरी की घटना की जानकारी मानिकपुर चौकी पुलिस को दी।

चाकू से वार कर हत्या का प्रयास, 14 वर्ष का कारावास

जांजगीर। जांजगीर मुलमुला थाना क्षेत्र के ग्राम खपरीटांड में चाकूबाजी कर हत्या का प्रयास करने वाले आरोपी आनंदराम भैना (30) को प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश शैलेंद्र चौहान ने 14 वर्ष के सश्रम कारावास और 1,000 रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई है। घटना 24 नवंबर 2024 की रात हुई थी, जब राइस मिल सुपरवाइजर अमृतलाल नायक पर आरोपी ने प्राणघातक हमला किया था। अगली सुबह वह लहूलुहान और बेसुध हालत में मिला, जिसके सिर पर गंभीर चोटें थीं। शासन की ओर से लोक अभियोजक संदीप सिंह बनाफर ने पैरवी की । साक्ष्यों और गवाहियों के आधार पर कोर्ट ने आरोपी को सजा सुनाई है।

54 लाख के पुल निर्माण में गड़बड़ी का आरोप

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों में अनियमितता के आरोप सामने आ रहे हैं। प्रधानमंत्री सड़क मार्ग के तहत बनाए गए पुल और रिटनिंगवाल के निर्माण में गंभीर गड़बड़ी की शिकायत की गई है। ग्राम पंचायत पुसलदा की सरपंच कमला बाई राठिया ने तहसीलदार के नाम लिखित आवेदन देकर बताया है कि प्रधानमंत्री सड़क मार्ग खेदापाली से पुसलदा मार्ग पर 54 लाख रुपए की लागत से तीन छोटे पुलों का निर्माण कराया गया है। इसके अलावा पुसलदा से बेहरामुड़ा मार्ग पर मिट्टी कटाव रोकने के लिए रिटनिंगवाल (दीवार) का निर्माण किया गया है। सरपंच के अनुसार, मिट्टी कटाव रोकने के लिए बनाई गई दीवार में मानक के अनुरूप सरिया (लोहे) का उपयोग नहीं किया गया है। निर्माण के बाद दीवार पर पानी का छिड़काव भी नहीं किया गया, जिससे सीमेंट उखड़ने लगा है और दीवार कमजोर दिखाई दे रही है। उन्होंने इसे स्पष्ट रूप से गुणवत्ताहीन निर्माण बताया है। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि सीसी रोड का निर्माण कार्य भी मानकों के अनुरूप नहीं किया गया है।

एसबीआई में महिला कैशियर ने उड़ाए 2.6 करोड़

बैंक रिकॉर्ड में हेराफेरी कर गायब की रकम, 8 महीने से फरार थी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में स्टेट बैंक के रिकॉर्ड और खातों में छेड़छाड़ कर 2 करोड़ 6 लाख 37 हजार रुपए गबन करने वाली कैशियर को एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने गिरफ्तार किया है। हेराफेरी उजागर होने के बाद कैशियर को निलंबित कर दिया गया था। वहीं,एसीबी में एफआईआर भी दर्ज कराई गई थी, जिसके बाद से आरोपी कैशियर फरार चल रही थी। मामला बिल्हा स्थित एसबीआई शाखा का है।

दरअसल, बिल्हा स्थित एसबीआई शाखा में पिछले साल 2025 में बैंक की राशि में हेराफेरी करने का मामला सामने आया था। बैंक रिकॉर्ड और खातों की जांच के बाद पता चला कि बैंक में पदस्थ कैशियर तेजवथ थीरापतम्मा और अन्य कर्मचारियों ने मिलकर बैंक के रिकॉर्ड और खातों में छेड़छाड़ किया। धोखाधड़ी कर 2 करोड़ 6 लाख 37 हजार रुपए का गबन कर लिया है।

विभागीय जांच के बाद कैशियर सस्पेंड

बैंक में जमा राशि में अंतर आने के बाद शाखा प्रबंधक पीयूष बारा ने विभागीय जांच की, तब आर्थिक अनियमितता का पता चला। उन्होंने इसकी जानकारी मुख्यालय को दी, जिसके बाद कैशियर तेजवथ थीरापतम्मा को निलंबित कर दिया गया।

साथ ही रिजनल बिजनेस ऑफिस (आरबीओ) जगदलपुर में अटैच कर दिया गया। जून 2025 में निलंबन के बाद कैशियर ने न तो जगदलपुर में जॉइन किया और न ही बिल्हा ऑफिस आई, तब से वो ऑफिस से गायब थीं।

मैनेजर ने एसीबी में दर्ज कराई एफआईआर

आर्थिक अनियमितता सामने आने के बाद शाखा प्रबंधक पीयूष बारा ने इस मामले की शिकायत एसीबी में की थी, जिस पर एसीबी की टीम ने 19 जनवरी 2026 को स्टेट बैंक बिल्हा की तत्कालीन कैशियर तेजवथ थीरापतम्मा और अन्य के खिलाफ धारा 13 (1), 13(2) पीसी एक्ट 1988, धारा 316(5), 318(4), 61(2), 338, 336(3), 340(2) बीएनएस के तहत केस दर्ज किया था।

8 महीने से फरार थी कैशियर

इससे पहले स्टेट बैंक ने विभागीय स्तर पर जांच की थी। जिसमें कैशियर तेजवथ और अन्य को आर्थिक अनियमितता कर राशि गबन करने के लिए दोषी पाया था। एसीबी बिलासपुर ने मामले की जांच के दौरान स्टेट बैंक के विभागीय जांच रिपोर्ट और अपने स्तर पर संकलित साक्ष्य जुटाए थे, जिसके बाद बाद से कैशियर की तलाश में जुटी थी।

साथ ही बिल्हा शाखा में मुखबिर भी लगाया था। गुरुवार को पता चला कि कैशियर तेजवथ बैंक आई हैं, यह जानकारी मिलते ही टीम वहां पहुंच गई, जिसके बाद घेराबंदी कर कैशियर तेजवथ को गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड पर लेने का प्रयास किया जा रहा है।

खेत गिरवी रखकर लिए 3 लाख रुपए फिर दूसरे को बेच दी जमीन, गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर। खेत गिरवी रखने के नाम पर 3 लाख रुपए की ठगी करने वाले आरोपी को मुलमुला पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। बिलासपुर मस्तूरी निवासी भूरी बाई कुर्रे ने थाना मुलमुला में शिकायत दर्ज कराई थी।

इसमें बताया कि उसकी बहन सुकवारा बाई निवासी ग्राम कोसा ने बताया कि गांव का राजालाल बर्मन घरेलू खर्च के लिए अपनी निजी भूमि गिरवी रखना चाहता है और उसे तीन लाख रुपए की जरूरत है। पीड़िता ने आरोपी की बातों में आकर उसकी भूमि (कुल रकबा 1.829 हेक्टेयर) को गिरवी रखने के लिए 26 फरवरी 2024 को पामगढ़ तहसील में 100 रुपए के स्टाम्प पर नोटरी के माध्यम से इकरारनामा तैयार कराया और तीन लाख रुपए नगद दे दिए। अनुबंध के अनुसार रकम वापसी तक पीड़िता ने भूमि पर खेती भी की। कुछ समय बाद जब खेती का मौसम आया तो न तो आरोपी ने रकम लौटाई और न ही खेत में बोआई करने दिया। आरोपी ने उक्त भूमि किसी अन्य व्यक्ति को रजिस्ट्री कर बेच दी। पीड़िता द्वारा कई बार रकम मांगने पर भी आरोपी टालमटोल करता रहा और धमकी दी। शिकायत पर आरोपी को 26 फरवरी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उसने अपराध स्वीकार किया।

आरोपी के कब्जे से 2000 रुपए जब्त किए गए। पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर आरोपी को धारा 318(2) बीएनएस के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने का आदेश दिया गया।

अपना गला काटकर एसपी ऑफिस आ गया युवक, पुलिस ने पहुंचाया अस्पताल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। एसपी कार्यालय में बुधवार की शाम युवक लहूलुहान हालत में पहुंच गया। युवक के गले पर गहरे कट का निशान था और खून बह रहा था। उसने धारदार हथियार से अपना गला काट लिया था। उसे देखते ही कार्यालय में मौजूद अधिकारी और कर्मचारी घबरा गए।

जानकारी के अनुसार इंदिरा नगर निवासी संजू बघेल मोहल्ले की कुछ महिलाओं से विवाद के बाद खुद का गला काटकर एसपी कार्यालय पहुंचा। उसका कहना है कि मोहल्ले की कुछ महिलाएं और अन्य लोग आए दिन उससे झगड़ा करते हैं। संजू बघेल ने बताया कि पूर्व में मोहल्ले में एक ऑटो जलाने की घटना हुई थी, जिसका आरोप उस पर लगाकर उसके साथ मारपीट की गई थी। उसने सिटी

कोतवाली में शिकायत भी की थी, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई।

बुधवार को फिर विवाद होने पर वह सीधे एसपी कार्यालय पहुंच गया। युवक का कहना था कि उसकी शिकायत पर कार्रवाई नहीं हुई तो आत्महत्या ही उसके पास एकमात्र रास्ता बचेगा। खून से लथपथ हालत में पहुंचे युवक को पुलिस ने तुरंत अस्पताल भेजा, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे सिटी कोतवाली लाया गया। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है।

महिलाओं ने युवक के खिलाफ दी शिकायत मोहल्ले की महिलाओं ने भी संजू बघेल के खिलाफ लिखित शिकायत दी है। उनका आरोप है कि वह आदतन बदमाश है और आए दिन गाली-गलौज और मारपीट करता है, जिससे मोहल्लेवासी परेशान हैं। पुलिस दोनों पक्षों की शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

प्रताड़ना से बाल विवाह का राज खुला, 3 पकड़ाए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। जिले में चार वर्ष पहले कराए गए एक बाल विवाह का मामला तब सामने आया, जब अब 19 वर्षीय विवाहिता महिला थाने पहुंचकर ससुराल पक्ष पर प्रताड़ना की शिकायत दर्ज कराने आई। जांच में पता चला कि उसकी शादी 15 वर्ष की उम्र में कराई गई थी। पुलिस ने पति और सास पर प्रताड़ना का केस दर्ज किया है। बहनोई के खिलाफ छेड़छाड़ की धारा लगाई गई है। ससुराल और मायके पक्ष के लोगों पर बाल विवाह कराने का जुर्म भी पंजीबद्ध किया गया है।

मामला रायगढ़ सिटी कोतवाली क्षेत्र का है। पीड़िता ने बताया कि नाबालिग रहते उसकी शादी कर दी गई थी। शादी के बाद से पति अक्सर मारपीट करता था और सास गाली गलौज कर मानसिक रूप से प्रताड़ित करती थी। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि उसका बहनोई बुरी नजर रखता है और कई बार छेड़छाड़ कर चुका है।

शिकायत के बाद पुलिस ने जांच की। पति और सास के खिलाफ धारा 498ए में केस दर्ज किया गया। बहनोई को छेड़छाड़ की धाराओं में गिरफ्तार किया गया है। जांच में पुष्टि हुई कि युवती की शादी 15 वर्ष की उम्र में कराई गई थी। पुलिस ने पीड़िता के पति को बाल विवाह, दुष्कर्म और दहेज प्रताड़ना के मामले में गिरफ्तार किया है।

सास को दहेज प्रताड़ना और बाल विवाह के आरोप में पकड़ा गया है। बहनोई को छेड़छाड़ के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। लड़की के माता पिता पर भी बाल विवाह का केस दर्ज हुआ है।

फरार आरोपियों की सूचना देने पर मिलेगा इनाम, एसपी का ऐलान

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर रजनेश सिंह द्वारा थाना मस्तूरी एवं थाना चकरभाठा में दर्ज प्रकरणों के फरार आरोपियों की सूचना देने वालों के लिए 5 हजार रुपए के पुरस्कार की घोषणा की गई है। थाना मस्तूरी, जिला बिलासपुर में दर्ज अपराध आर्म्स एक्ट के प्रकरण में फरार आरोपी नागेन्द्र राय पिता स्व. चन्द्रिका प्रसाद राय, उम्र 60 वर्ष, निवासी लालखदान तोरवा एवं टाकेश्वर पाटले पिता ईश्वरी प्रसाद पाटले, उम्र 50 वर्ष, निवासी लिमतरा मस्तूरी की गिरफ्तारी हेतु सूचना

देने वाले व्यक्ति को पुरस्कृत किया जाएगा।

इसी प्रकार थाना चकरभाठा, जिला बिलासपुर में दर्ज अपराध के प्रकरण में नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर अपहरण कर फरार अज्ञात आरोपी के संबंध में सूचना देने वाले व्यक्ति को भी 5 हजार रुपये का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जायेगा तथा पुरस्कार वितरण के संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर का निर्णय अंतिम होगा।

इस संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, बिलासपुर 07752-223330, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण बिलासपुर 07752-223193, मो.नं. +91-94791-93003, पुलिस नियंत्रण कक्ष, बिलासपुर 07752-228504, मो.नं. +91-94791-93099, थाना प्रभारी मस्तूरी मो.नं. +91-9479193040 एवं थाना प्रभारी चकरभाठा मो.नं. +91-9479193041 पर संपर्क किया जा सकता है।

सूखे नशे पर कार्रवाई : 45 से ज्यादा मामलों में आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी में सूखे नशे के खिलाफ चल रहे विशेष अभियान के तहत राजधानी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। कालीबाड़ी-नेहरू नगर इलाके में लंबे समय से सक्रिय अवैध नेटवर्क को ध्वस्त करते हुए पुलिस ने 45 से ज्यादा मामलों के आरोपी हिस्ट्रीशीटर मुकेश बनिया और उसके भाई संजू को गिरफ्तार किया है। दोनों के कब्जे से 6 किलो 119 ग्राम गांजा, एक देशी कट्टा, तीन जिंदा कारतूस और 2400 नशीली गोलियां (अल्प्राजोलम) बरामद की गई हैं।

दरअसल, 24 फरवरी को सिटी कोतवाली पुलिस ने नेहरू नगर नरैया तालाब क्षेत्र में दो युवकों को गांजा बेचते पकड़ा। पूछताछ में

मिले इनपुट के आधार पर कालीबाड़ी इलाके में नाले के पास बने एक हाइडआउट पर दबिश दी गई। यहां से 7 किलो 397 ग्राम गांजा, पैकिंग सामग्री, इलेक्ट्रॉनिक तराजू, वाई-फाई उपकरण, सीसीटीवी कैमरे और मोशन सेंसर जब्त किए गए। पुलिस के मुताबिक, ठिकाना आधुनिक तकनीक से लैस था ताकि छापे से पहले अलर्ट मिल सके।

पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार से अर्जित संपत्ति पर भी कार्रवाई करते हुए करीब 1.5 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की है। अधिकारियों का दावा है कि स्कूल-कॉलेजों के आसपास निगरानी बढ़ाई गई है और मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया है।

पुलिस ने ऐसे की घेराबंदी: 25-26 फरवरी की दरम्यानी रात एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और सिटी कोतवाली की संयुक्त टीम ने नरैया तालाब स्थित नरेश्वर मंदिर के पास घेराबंदी की। यहीं से मुख्य आरोपी मुकेश बनिया और उसका भाई संजू पकड़े गए।

तलाशी में गांजा, हथियार और नशीली गोलियां मिलीं। फरारी के दौरान मुकेश मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तरप्रदेश और ओडिशा में ठिकाने बदलता रहा। पुलिस अब सप्लाई चेन और गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है।

अपराध का लंबा रिकॉर्ड : पुलिस के अनुसार मुकेश बनिया के खिलाफ हत्या, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस, मारपीट, बलवा और अवैध शराब जैसे 31 से अधिक प्रकरण दर्ज हैं। उसका भाई संजू भी 15 मामलों में आरोपी है।

रॉन्ग साइड आकर ट्रेलर ने स्कॉर्पियो को मारी टक्कर, 4 मौतें

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। रायपुर-रतनपुर नेशनल हाईवे पर ग्राम सम्बलपुरी स्थित यादव ढाबा के सामने तेज रफ्तार ट्रेलर और स्कॉर्पियो की आमने-सामने टक्कर में चार लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। घायल को सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चारों मृतक एक ही परिवार के हैं।

देर रात करीब 2 बजे ट्रेलर (सीजी 11 बीडी 9044) सकरी-रतनपुर की ओर से रायपुर जा रहा था। इसी दौरान ट्रेलर अनियंत्रित होकर रॉन्ग साइड में पहुंच गया और सामने से आ रही स्कॉर्पियो (सीजी 04 एमक्यू 4220) को जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रेलर पास में खड़े एक अन्य ट्रेलर को भी अपनी चपेट में लेते हुए पलट गया। स्कॉर्पियो बुरी तरह डैमेज हो गई और उसमें सवार लोग वाहन के अंदर फंस गए। घटना की सूचना मिलते ही सकरी पुलिस मौके पर पहुंची।

वाहन में फंसे लोगों को निकालने के लिए गैस कटर का सहारा लिया गया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद सभी को बाहर निकाला गया, तब तक चार लोगों की मौत हो चुकी थी।

सालगिरह मनाकर लौट रहा था परिवार

बताया जा रहा है कि स्कॉर्पियो में पांच लोग सवार थे, जो यादव ढाबा में आयोजित एक पारिवारिक शादी की 25वीं सालगिरह के कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। कार्यक्रम से लौटते ही कुछ ही दूरी पर यह दर्दनाक हादसा हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बिलासपुर-रायपुर रोड पर तेज रफ्तार से आ रहे ट्रेलर ने सामने से आ रही स्कॉर्पियो को जोरदार टक्कर मार दी। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद शवों को बाहर निकाला। घायल युवक को गंभीर हालत में अस्पताल रेफर किया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

मृतकों की पहचान में जुटी पुलिस

मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक सभी मृतक तखतपुर-मुंगेली क्षेत्र के बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद हाईवे पर कुछ समय के लिए जाम की स्थिति बन गई थी। ट्रेलर चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। आशंका जताई जा रही है कि तेज रफ्तार और लापरवाही इसकी वजह हो सकती है।

घटना की खबर मिलते ही तखतपुर और मुंगेली क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। परिजन बिलासपुर पहुंच रहे हैं। पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

खनन उपनिदेशक रिश्वत लेते धराया घर की अलमारी से मिला 4 करोड़ कैश

श्रीकंचनपथ न्यूज

राउरकेला। ओडिशा विजिलेंस ने कटक सर्किल के खनन उपनिदेशक देवब्रत मोहंती को 30 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद उनके आवास पर की गई छापेमारी में 4 करोड़ रुपए से अधिक नकद बरामद होने से पूरे राज्य में हड़कंप मच गया है।

विजिलेंस टीम ने मंगलवार को एक लाइसेंसधारी कोयला व्यापारी से रिश्वत की रकम लेते समय मोहंती को पकड़ा। राशि एक वैधानिक कार्य में सहूलियत देने के एवज में मांगी गई थी। गिरफ्तारी के तुरंत बाद आय से अधिक संपत्ति (डीए) के आरोप में उनके विभिन्न ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की गई। तलाशी के दौरान उनके फ्लैट में ट्रॉली बैग और अलमारियों में छिपाकर रखी गई भारी मात्रा में नकदी बरामद हुई। विजिलेंस सूत्रों के अनुसार, विभाग के इतिहास में यह अब तक की सबसे बड़ी नकद बरामदगी मानी जा रही है।

देवब्रत मोहंती ने 9 अगस्त 2004 को ओडिशा खान व खनिज विभाग में बलांगीर खनन कार्यालय में जूनियर माइनिंग ऑफिसर के रूप में सेवा शुरू की थी। मामले की जांच चल रही, दस्तावेज खंगाले जा रहे विजिलेंस अधिकारियों ने बताया कि जब्त नकदी की गिनती और दस्तावेजीकरण की प्रक्रिया जारी है। यह भी जांच की जा रही है कि बरामद धनराशि का स्रोत क्या है और क्या आरोपी ने आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित की है।

कार्यालय उपसंचालक, समाज कल्याण, जिला-दुर्ग (छत्तीसगढ़)
(जिला पंचायत परिसर, जी.ई रोड दुर्ग Phone No. 0788-4052380,
E-mail ID dpsw.drg@gmail.com)
Help Line No. 155-326, Toll free No. 1800-233-8989,

// संशोधित विज्ञापन //

क्रमांक / 1941 / स.क./ 2025-26 दुर्ग, दिनांक 26.02.2026

रुचि की अभिव्यक्ति (EOI)

जिले के वृद्धजनों के देख-भाल, संरक्षण, मनोरंजन, एकांकी जीवन के बचाव और सुरक्षा के उद्देश्य से वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानपूर्वक जीवन यापन, अपने जीवनभर के ज्ञान, अनुभव और कौशल को युवा पीढ़ी समुदाय के साथ साझा करना एवं वरिष्ठजनों के आत्म-सम्मान की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से समाज कल्याण विभाग, जिला दुर्ग द्वारा "डे केयर सेंटर सियान गुड़ी" क्षमता 25 सीटर की स्थापना एवं संचालन हेतु छत्तीसगढ़ राज्य के अर्द्धशासकीय या पंजीकृत स्वयंसेवी संस्थाओं से रुचि की अभिव्यक्ति के तहत प्रस्ताव आमंत्रित किए जाते है। ऐसी संस्थाएं जो वरिष्ठजनों के देख-भाल के क्षेत्र में कार्यरत वित्तीय रुप से सक्षम हो तथा वरिष्ठजनों के "डे केयर" केन्द्र के संचालन के इच्छुक हो, ऐसी संस्थाओं से प्रकाशन की तिथि से 21 वें दिन दिनांक 23.03.2026 सांय 5:00 बजे तक कार्यालयीन समयावधि में रुचि की अभिव्यक्ति के तहत प्रस्ताव आमंत्रित किए जाते है।

"डे केयर सेंटर सियान गुड़ी" की स्थापना एवं संचालन हेतु इच्छुक संस्थाएं उपसंचालक, समाज कल्याण विभाग, जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ में उपस्थित होकर आवेदन पत्र, नियम एवं शर्तें प्राप्त कर सकते है। साथ ही जिले के वेब-साइट https://durg.gov.in के माध्यम से प्राप्त कर सकते है।

(कलेक्टर महो. द्वारा अनुमोदित)

सहपत्र :- प्रेस विज्ञप्ति।

उपसंचालक
समाज कल्याण
जिला-दुर्ग
मो.नं. 8109707870

जी- 252606932/3

ओवरटेक करते समय बाइक पेड़ से टकराई, मौत

कोरबा। कटघोरा थाना क्षेत्र के सुतर्रा-कसनिया मार्ग पर राइस मिल के सामने बुधवार की दोपहर लगभग 12 बजे वाहन को ओवरटेक करते समय युवक की बाइक पेड़ से जा टकराई। इस दुर्घटना में उसकी मौत हो गई। पेड़ से टकराने के बाद बाइक के सामने का हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ है। राहगीरों की सूचना पर कटघोरा थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस मृतक की पहचान के लिए आसपास के लोगों से पूछताछ भी की। मगर सड़क हादसे के दूसरे दिन भी मृतक की पहचान नहीं हो पाई है।

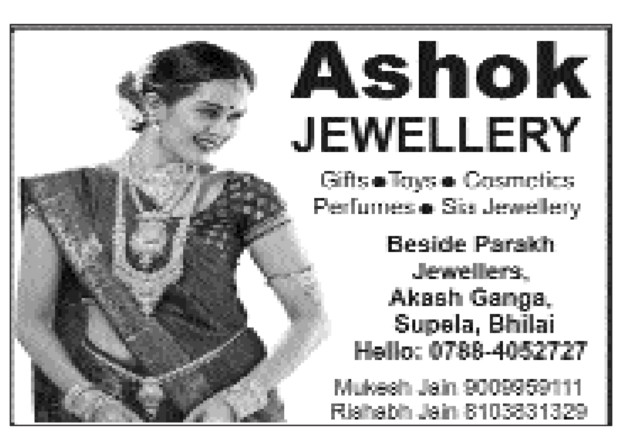

खास खबर

छत्तीसगढ़ की विभूतियां: पद्म पुरस्कार प्राप्त महान व्यक्तित्वों की प्रेरक यात्रा - एक फोटो प्रदर्शनी

रायपुर। छत्तीसगढ़ रजत जयंती वर्ष के अवसर पर क्लाउड एवं संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ के द्वारा छत्तीसगढ़ की विभूतियाँ: पद्म पुरस्कार प्राप्त महान व्यक्तित्वों की प्रेरक यात्रा - एक फोटो प्रदर्शनी दो दिवसीय विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रदर्शनी 2 मार्च 2026 एवं 03 मार्च 2026 तक कला वीथिका, महंत घासीदास संग्रहालय परिसर, रायपुर में प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से रात्रि 7 बजे तक आयोजित होगी। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य छत्तीसगढ़ राज्य के उन विशिष्ट व्यक्तित्वों की जीवन-यात्रा, संघर्ष, उपलब्धियों एवं समाज के प्रति उनके अमूल्य योगदान को रेखांकित करना है, जिन्हें देश के प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। इस संकलित प्रदर्शनी में महान विभूतियों के व्यक्तित्व और कृतित्व को प्रस्तुत किया जाएगा। प्रत्येक चित्र के साथ संक्षिप्त विवरण भी प्रदर्शित किया जाएगा, जिससे आगंतुकों को उनके जीवन के महत्वपूर्ण पड़ावों और प्रेरक प्रसंगों की जानकारी मिल सके। क्लाउड एवं संस्कृति विभाग का मानना है कि ऐसे आयोजन न केवल समाज को अपने गौरवशाली अतीत से परिचित कराते हैं, बल्कि युवा पीढ़ी को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा भी प्रदान करते हैं। प्रदर्शनी में शिक्षा, कला, साहित्य, लोकसंस्कृति, समाजसेवा, विज्ञान तथा अन्य विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पद्म सम्मानित महानुभावों की उपलब्धियों को विशेष रूप से प्रदर्शित किया जाएगा। संस्कृति संचालक विवेक आचार्य के अनुसार यह प्रदर्शनी समाज के सभी वर्गों के लिए प्रेरणास्त्रोत सिद्ध होगी और छत्तीसगढ़ की विभूतियों के प्रति सम्मान एवं गौरव की भावना को और अधिक सशक्त बनाएगी। उमेश मिश्रा उपसंचालक संस्कृति ने कहा यह आयोजन प्रदेश की सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करने और राज्य की उपलब्धियों पर गर्व की अनुभूति कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

ई-रिक्शा से बच्चों को विद्यालय पहुंचाकर स्वावलंबन की मिसाल बनीं गीता दीदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कभी घरेलू कार्यों तक सीमित रहने वाली ग्रामीण महिलाएं अब स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भरता की ओर सशक्त कदम बढ़ा रही हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित 'बिहान' योजना ने महिलाओं को संगठित कर उनके आर्थिक विकास की मजबूत नींव रखी है। कलेक्टर चंदन त्रिपाठी के मार्गदर्शन में जिले में बिहान से जुड़ी महिलाओं को पारंपरिक कार्यों से आगे बढ़ाकर नए व्यवसायों से जोड़ा जा रहा है। इसी पहल का प्रेरक उदाहरण है ग्राम पंचायत रटगा की गीता दीदी, जो अब ई-रिक्शा से बच्चों को विद्यालय पहुंचाकर स्वावलंबन की राह पर अग्रसर हैं।

बैकुंठपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत रटगा की 14 महिलाओं ने वर्ष 2018 में 'जय मां लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह' का गठन किया। समूह की अध्यक्ष चुनी गईं गीता दीदी ने वर्ष 2020 में पौधों की सुरक्षा हेतु ट्री-गार्ड निर्माण कार्य शुरू किया। लगभग 50 हजार रुपये की सामूहिक लागत से शुरू हुए इस कार्य से समूह ने तीन लाख रुपये की आय अर्जित की, जिससे आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

वर्ष 2021 में गीता दीदी ने समूह के माध्यम से बैंक से व्यक्तिगत ऋण प्राप्त कर 70 हजार रुपये की लागत से किराना दुकान शुरू की। इससे उनके परिवार की दैनिक आय सुनिश्चित हुई और आर्थिक स्थिति में सुधार आया।

गत वर्ष कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी द्वारा बिहान से जुड़ी महिलाओं को नए व्यवसायों से जोड़ने की पहल की गई। ई-रिक्शा संचालन के विकल्प को गीता दीदी ने उत्साहपूर्वक स्वीकार किया। गत 17 फरवरी को कोरिया महोत्सव के अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के हाथों गीता दीदी को ई-रिक्शा की चाबी प्रदान की गई। इसके पश्चात उन्होंने अपने गांव में अभिभावकों से संपर्क कर बच्चों को विद्यालय पहुंचाने की सेवा प्रारंभ की। शुरुआत में ही उन्हें 5600 रुपये की अग्रिम राशि प्राप्त हुई और अब वे नियमित रूप से ग्राम पंचायत रटगा एवं आश्रित ग्राम दुधनियां के बच्चों को विद्यालय पहुंचा रही हैं।

युवाओं के अंदर समाज के प्रति कुछ योगदान देने की भावना बहुत जरूरी, छोटी-छोटी बातों से आता है बड़ा बदलाव- राज्यपाल

लोक भवन के छत्तीसगढ़ मंडपम में गूंजा जय जोहार जय-छत्तीसगढ़

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लोक भवन में राज्यपाल रमेन डेका ने केंद्रीय युवा कार्यक्रम खेल मंत्रालय, भारत सरकार के 'माय भारत युवा कार्यक्रम' अंतर्गत युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत गुजरात से छत्तीसगढ़ भ्रमण पर आए माय भारत वॉलेंटियर्स के प्रतिनिधि मंडल से मुलाक़ात की। उन्होंने माय भारत कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से विभिन्न राज्यों के युवाओं के मध्य सांस्कृतिक, सामाजिक एवं वैचारिक आदान-प्रदान सुदृढ़ होता है जिससे राष्ट्रीय एकता की भावना और अधिक सशक्त होती है। उन्होंने गुजरात से आए माय भारत वॉलेंटियर्स से आत्मीय संवाद किया और उनसे छत्तीसगढ़ यात्रा के बारे में अनुभव जाने।

श्री डेका ने उनका उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आप सभी युवा देश निर्माण में अपना योगदान ज़रूर दें। अपने उद्बोधन में श्री डेका ने कहा कि छत्तीसगढ़ माता कौशल्या का मायका और भगवान राम का ननिहाल है। यहाँ बस्तर में एशिया का नियाग्रा कहा जाने वाला चित्रकोट जलप्रपात अद्भुत है। उन्होंने गुजरात से आए युवाओं को बताया कि छत्तीसगढ़ में आपको 5000 साल पुरानी संस्कृति के दर्शन होंगे। श्री डेका ने कहा छत्तीसगढ़ में तेजी से विकास हो रहा है। जल्द ही यह प्रदेश एजुकेशनल हब के रूप में देश में

जाना जाएगा।

युवाओं के अंदर समाज के प्रति कुछ योगदान देने की भावना बहुत ज़रूरी होती है क्योंकि छोटी-छोटी बातों से बड़ा बदलाव आता है। उन्होंने कहा अगर हम अपने घर के आस पास की स्वच्छता में योगदान दें या अपने पड़ोस के बुजुर्गों की सेवा करें, उनके जीवन के अनुभव जानें रोज़मर्रा के काम में उनकी मदद करें तो भी यह सराहनीय है। उन्होंने कहा आज टेक्नोलॉजी का ज़माना है, तकनीक का सही इस्तेमाल करके मानव जाति के विकास में नए आयाम तय किए का सकते हैं। युवाओं को ए आई के इस युग में सही ग़लत का अंतर समझना भी ज़रूरी है। उन्होंने टाइम मैनेजमेंट और जीवन में मोबाइल और विशेषकर सोशल मीडिया में के उपयोग में संतुलन बरतने की भी बात युवाओं से कही। उन्होंने कहा कि अपने पैशन को फॉलो करके भी युवा अपना भविष्य संवार सकते हैं। उन्होंने इस दौरान देश और गुजरात राज्य के प्रेरणादायक व्यक्तित्वों की भी चर्चा की।

इस अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा भी मौजूद थे उन्होंने माय भारत वालेंटियर्स को अपना बहुमूल्य समय देने के लिए राज्यपाल महोदय का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा हमारा छत्तीसगढ़ मिनी इंडिया है, यहाँ सभी राज्य और समाज के लोग आपसी प्रेम और सौहार्द्र के साथ रहते हैं। यहाँ बहुतायत में गुजराती और वैष्णव समाज के लोग रहते हैं। वैष्णव संप्रदाय से संबंधित पूजनीय महाप्रभु वल्लभाचार्य की जन्मस्थली चंपारण हमारे छत्तीसगढ़ में है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय एकता की भावना को बल प्रदान करने वाले इस अभियान की सराहना करते हुए युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। माय भारत कार्यक्रम के राज्य निदेशक अर्पित तिवारी ने भारत सरकार के खेल एवं युवा कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित इस भ्रमण कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह आयोजन 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को मूर्त रूप प्रदान करते हुए राज्यों के मध्य सौहार्द, सहयोग एवं आपसी समझ को प्रोत्साहित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। जिसका उद्देश्य सांस्कृतिक एवं भाषाई विविधताओं का परिचय, व स्थानीय परंपराओं एवं खानपान का अनुभव, युवाओं के मध्य संवाद एवं नेतृत्व कौशल का विकास कर राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता की भावना को सुदृढ़ करना है।

लोक भवन में गुजरात से आए युवाओं का आत्मीय स्वागत किया गया, जिससे युवा काफ़ी भावुक हो गए। इस दौरान लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम में जय जोहार जय छत्तीसगढ़ का नारा गूंज उठा। राज्यपाल श्री डेका से हुए आत्मीय संवाद ने इन युवाओं को प्रेरित किया। युवाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ आकर यहाँ के लोगों से मिलकर, यहाँ की कला, संस्कृति और सेवा-सत्कार देखकर उन्हें अच्छा लगा। उन्होंने आज शहीद वीर नारायण सिंह ट्राइबल म्यूजियम का भ्रमण किया और छत्तीसगढ़ के आदिवासी नायकों द्वारा किए गए स्वतंत्रता आंदोलनों के बारे में जाना। युवाओं ने बताया कि महाराष्ट्र मंडल में छत्तीसगढ़ के तीज त्योहारों पर आधारित नृत्य से उन्हें यहाँ की सांस्कृतिक झलक मिली।

गुजरात से आई माय भारत से ट्विंकल ने बताया कि उन्हें बताया गया था कि छत्तीसगढ़ एक आदिवासी राज्य है। उन्हें पहले लगा था यह प्रदेश कम विकसित होगा लेकिन यहां आकर उन्होंने जाना कि इस प्रदेश के लोग प्रकृति के संरक्षण के साथ विकास की भावना को लेकर आगे बढ़ रहें हैं।

खेल संस्कृति को मजबूत करने के लिए अधोसंरचना और अवसरों का विस्तार हमारी प्राथमिकता: मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से नया रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने कपिल देव को बेल मेटल से बनी प्रतिकृति, पुण्यभूमि छत्तीसगढ़ कॉफी टेबल बुक भेंट कर उनका अभिनंदन किया। मुलाकात के दौरान दोनों के बीच प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने, आधुनिक खेल अधोसंरचना के विकास, अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण केंद्र तथा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को तैयार करने जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह उपस्थित थे। मुख्यमंत्री साय ने राज्य सरकार द्वारा खेलों के प्रोत्साहन और खिलाड़ियों के लिए बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने हेतु किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खेल संस्कृति को मजबूत करने के लिए अधोसंरचना, प्रशिक्षण और अवसरों का विस्तार सरकार की प्राथमिकता है।

पूर्व कप्तान कपिल देव ने छत्तीसगढ़ में हो रहे सकारात्मक परिवर्तनों की सराहना करते हुए कहा कि सुरक्षा, विश्वास और विकास के इस माहौल में प्रदेश की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट मंच प्राप्त होगा तथा छत्तीसगढ़ सुरक्षित, समृद्ध और विकसित राज्य के रूप में आगे बढ़ेगा।

वन विकास निगम में 'डिजिटल क्रांति' और 'रोजगार संगम' का सफल मॉडल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के कवर्धा परियोजना मंडल अंतर्गत बोड़ला काष्ठागार में डिजिटल प्रणाली लागू कर कार्यों को अधिक पारदर्शी और सरल बनाया गया है। साथ ही स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार देकर इसे 'डिजिटल क्रांति' और 'रोजगार संगम' का सफल उदाहरण बनाया गया है।

काष्ठागार में लगभग 2500 घन मीटर इमारती लकड़ी और 1200 नग जलाऊ लकड़ी का वैज्ञानिक तरीके से भंडारण किया गया है। लकड़ी की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए नियमित जांच और लंबाई के अनुसार छंटाई की व्यवस्था की गई है। इससे लकड़ी लंबे समय तक सुरक्षित रहती है और नीलामी के दौरान खरीदारों को बेहतर सुविधा मिलती है।

डिजिटल प्रणाली से बढ़ी पारदर्शिता: काष्ठागार में अब अधिकतर कार्य ऑनलाइन और डिजिटल माध्यम से किए जा रहे हैं। प्राप्त लकड़ी का डिजिटल पंजीयन कर व्यवस्थित लॉट तैयार किए जा रहे हैं। लकड़ी और जलाऊ लकड़ी की नीलामी पूरी तरह ऑनलाइन की जा रही है, जिससे पारदर्शिता बढ़ी है और राजस्व में वृद्धि हुई है। खरीदारों को ऑनलाइन भुगतान की सुविधा दी गई है, जिससे समय और श्रम की बचत हो रही है। सेल संकल्प, कार्य आदेश और परिवहन अनुमति जैसे दस्तावेज ऑनलाइन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

ग्रामीणों को मिल रहा रोजगार: बोड़ला काष्ठागार केवल लकड़ी भंडारण केंद्र नहीं, बल्कि ग्रामीणों के लिए रोजगार का माध्यम भी बन रहा है। लकड़ी की छंटाई, लॉट निर्माण और लोडिंग जैसे कार्यों में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता दी जा रही है। इससे ग्रामीणों को गांव के पास ही नियमित रोजगार मिल रहा है और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है। इस प्रकार वन विकास निगम का यह प्रयास शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का उत्कृष्ट उदाहरण है। डिजिटल व्यवस्था से जहां कार्यों में पारदर्शिता आई है, वहीं रोजगार के अवसर बढ़ने से स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है।

रैम्प प्रोजेक्ट के प्रशिक्षार्थियों को मिला प्रमाण पत्र

कोरिया। जनपद स्तर पर रैम्प प्रोजेक्ट अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनपद एवं उद्योग विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद सीईओ एलेक्जेंडर पन्ना रहे, जबकि अध्यक्षता जनपद अध्यक्ष उदय सिंह ने की।

इस अवसर पर प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले सभी प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। अधिकारियों ने बताया कि रैम्प प्रोजेक्ट का उद्देश्य उद्यमिता को बढ़ावा देना, युवाओं एवं स्व-सहायता समूहों को आत्मनिर्भर बनाना तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित करना है। कार्यक्रम में उद्योग विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई तथा टेक्निकल सपोर्ट एजेंसी चॉइस कंसल्टेंसी की भूमिका को भी सराहा गया।

मेहनत की चमक और सरकारी संबल: श्रमिक की बेटी डिंपल कश्यप अब संस्कार सिटी स्कूल में संवार रही अपना भविष्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शिक्षा के क्षेत्र में आई क्रांति अब सुदूर अंचलों के गरीब और श्रमिक परिवारों के आंगन तक पहुँचकर उनके बच्चों के सपनों को हकीकत में बदल रही है। शासन की अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के माध्यम से प्रदेश के होनहार विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय शिक्षा दिलाने का संकल्प अब धरातल पर जीवंत होता दिख रहा है।

इसी कड़ी में आदिवासी बहुल बस्तर जिले के जगदलपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम बिलौरी के एक पंजीकृत श्रमिक नंदकिशोर कश्यप की सुपुत्री डिंपल कश्यप ने अपनी मेधा और कड़ी मेहनत के दम पर सफलता का अध्याय लिख दिया है। डिंपल का चयन राज्य की प्रावीण्य सूची (मेरिट लिस्ट) के आधार पर राजनांदगांव के प्रतिष्ठित संस्कार सिटी स्कूल के लिए हुआ है, जो उनके परिवार के लिए किसी सुखद चमत्कार से कम नहीं है। यहां डिंपल कक्षा छठवीं में अध्ययन कर रही है और बारहवीं तक नि:शुल्क शिक्षा ग्रहण करेगी।

इस गौरवपूर्ण उपलब्धि की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी यह है कि छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल ने डिंपल की माध्यमिक शिक्षा से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक की पूरी पढ़ाई का सारा खर्च उठाने की जिम्मेदारी ली है। इस नि:शुल्क और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा के प्रावधान ने परिवार के सिर से आर्थिक चिंता का बोझ पूरी तरह हटा दिया है, जिससे अब डिंपल की प्रगति की राह में कोई बाधा नहीं आएगी। अपनी बेटी की इस अभूतपूर्व सफलता पर पिता नंदकिशोर कश्यप भावुक स्वर में कहते हैं कि एक श्रमिक के लिए यह किसी सपने के सच होने जैसा है। वे दिन-रात कड़ी मेहनत ही इसलिए करते हैं ताकि उनके बच्चों का भविष्य उनके अपने संघर्षपूर्ण जीवन से कहीं बेहतर और सुगम हो सके। आज सरकार की इस कल्याणकारी योजना ने उनके उन धुंधले सपनों को हकीकत के पंख दे दिए हैं।

माता-पिता के रूप में कश्यप दंपत्ति आज स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्हें अब यह अटूट विश्वास हो चला है कि उनकी बेटी का भविष्य न केवल सुरक्षित है, बल्कि वह अपनी अटूट लगन से सफलता के उस आसमान को भी छू सकेगी जिसका उन्होंने कभी केवल कल्पनाओं में विचार किया था। ग्राम बिलौरी-2 से निकलकर एक प्रतिष्ठित स्कूल तक का डिंपल का यह सफर समाज के उस हर वर्ग के लिए प्रेरणा है, जो संसाधनों के अभाव में अपनी प्रतिभा को दबाए बैठे हैं।

शासन की यह पहल स्पष्ट संदेश देती है कि यदि बच्चे में प्रतिभा और आगे बढ़ने की ललक हो, तो सरकार की योजनाएं एक मजबूत सेतु बनकर उन्हें सफलता के उच्चतम शिखर तक पहुँचाने में पूरी मदद करती हैं।

बस्तर पर्यटन को वैश्विक पहचान दिलाने पर जोर

पर्यटन विशेषज्ञ ने ग्रामीण महिलाओं संग किया महुआ संग्रहण, बस्तर की जैव विविधता और लोकसंस्कृति से हुए अभिभूत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बस्तर की समृद्ध जैव विविधता, जीवंत लोकसंस्कृति और ग्रामीण जीवन की आत्मीयता ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी गूंज दर्ज कराई है। संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध अंतरराष्ट्रीय पर्यटन विशेषज्ञ एवं 'हिवा कोचिंग एंड कंसल्टिंग' की संस्थापक किर्सी ने अपने बस्तर प्रवास के दौरान ग्रामीण परिवेश को नजदीक से समझते हुए स्थानीय महिलाओं के साथ महुआ संग्रहण में सहभागिता की।

प्रवास के तीसरे दिन उन्होंने प्राकृतिक सौंदर्य के बीच 'नेचर एंड एनवायरमेंट ऑब्जर्वेशन वॉक' और बर्ड वॉचिंग गतिविधियों से दिन की शुरुआत की। स्थानीय गाइडों के साथ जंगल की पगडंडियों पर चलते हुए उन्होंने बस्तर की जैव विविधता, वन संपदा और पारिस्थितिकी तंत्र की विशेषताओं को समझा। ग्रामीण महिलाओं के साथ महुआ संग्रहण करते हुए वे खासा उत्साहित दिखीं और इसे आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सशक्त उदाहरण बताया।

दोपहर के समय बस्तर की सांस्कृतिक विरासत का मनोहारी दृश्य तब सामने आया, जब धुरवा जनजातीय नृत्य दल ने पारंपरिक मंडरी, डंडारी और गुरगाल नाचा की आकर्षक प्रस्तुति दी। पारंपरिक वेशभूषा और वाद्य यंत्रों की थाप पर प्रस्तुत इन लोकनृत्यों ने विदेशी अतिथि को मंत्रमुग्ध कर दिया। पर्यटन बोर्ड के अधिकारियों ने उन्हें इन नृत्यों के ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व की विस्तृत जानकारी भी प्रदान की। इसके पश्चात उन्होंने पर्यटन विक्रेताओं, स्थानीय हितधारकों और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण संवाद किया। इस दौरान बस्तर में ग्रामीण पर्यटन की संभावनाओं, उत्पादों के परिष्करण, विपणन रणनीतियों और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकास पर तकनीकी चर्चा हुई।

धुरमारास क्षेत्र में स्थानीय बांस शिल्पियों और कारीगरों के साथ आयोजित 'तकनीकी इंटरैक्शन' सत्र में सुश्री किर्सी ने बस्तर के प्रसिद्ध बांस हस्तशिल्प की बारीकियों को समझा और उत्पादों के गुणवत्ता संवर्धन एवं वैश्विक बाजार तक पहुंच बढ़ाने के सुझाव दिए। उन्होंने 'कल्चर वॉक' के माध्यम से ग्रामीण जीवन के विविध आयामों का अनुभव किया और स्थानीय आतिथ्य की सराहना की। दिन का समापन धुरवा डेरा होमस्टे में आयोजित डिब्रीफ सत्र के साथ हुआ, जहां पूरे दिन की गतिविधियों की समीक्षा की गई। जिला प्रशासन और छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित इस प्रवास का उद्देश्य बस्तर के ग्रामीण पर्यटन को अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर सशक्त रूप से स्थापित करना है।

विशेषज्ञ ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि बस्तर में प्रकृति, संस्कृति और सामुदायिक सहभागिता का अद्भुत समन्वय है। यदि इसे सुनियोजित रूप से वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया जाए, तो यह क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय पर्यटन का आकर्षक केंद्र बन सकता है। बस्तर का यह प्रवास न केवल सांस्कृतिक आदान-प्रदान का माध्यम बना, बल्कि ग्रामीण महिलाओं, कारीगरों और स्थानीय समुदाय के आत्मविश्वास को भी नई ऊर्जा देने वाला साबित हुआ।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950